स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 4 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 अक्टूबर 2020 ✦ वर्ष 9 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

कोरोना महामारी में सावधानी बरतते हुए आओ दीपावली पर अपनी खुशियों का संसार ढूंढें, भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव मनायें

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को
एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S
ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :
Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 4 ✦ 25 अक्टूबर 2020 ✦ वर्ष 9

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संपादक की कलम से....

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुखपत्र 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' का प्रकाशन जयपुर से अप्रेल-2012 में प्रारम्भ हुआ। पत्रिका ही एकमात्र ऐसा साधन है जिससे समाज में होने वाली सामाजिक गतिविधियों व कार्यकलापों की जानकारी समाज के सम्मानीय सदस्यों व पाठकों तक पहुंचती है।

सम्मानीय सदस्यों व पाठकों को जानकारी हेतु यह बताना आवश्यक है कि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' प्रत्येक माह की 27 तारीख को जयपुर से डाक द्वारा भेजी जाती है। मैं स्वयं व सह-सम्पादक श्री पारस जैन गहनौली जी पत्रिका भेजने की कार्यवाही को पूर्ण सतर्कता के साथ करवाते हैं।

जब यह पत्रिका कुछ सदस्यों को नियमित प्राप्त नहीं होती है तो वे सामाजिक गतिविधियों की जानकारी से वंचित रह जाते हैं, जिससे उनको पीड़ा होना स्वाभाविक है और वे अपनी पीड़ा को समय-समय पर मोबाइल व व्हाट्सएप पर व्यक्त भी करते हैं। उनकी यह भी शिकायत रहती है कि जानबूझ कर हमारे पास नहीं भेजी जाती है या पत्रिका का कम मात्रा में प्रकाशन होता है एवं कई बार वे अपमानजनक शब्दों का भी उपयोग करते हैं। जबकि ऐसा होना बिल्कुल असम्भव है।

पत्रिका प्रबन्धन एवं सम्पादक मण्डल द्वारा पूरी एहतियात बरतते हुए शहरों के अनुसार अलग-अलग बण्डलों में बांधकर डिस्पेच करना सुनिश्चित किया जाता है। कई बार सदस्यों की मांग पर डिस्पेच करते समय डाकघर में उनकी पत्रिका की वीडियो बनाकर भी व्हाट्आप पर भेजी जाती है। पत्रिका संयोजक श्री चन्द्रशेखर जी जैन भी समय-समय पर डाक विभाग को इन समस्याओं के बारे में लिखते हैं। कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन में पत्रिका का मार्च 2020 से मई 2020 तक तीन माह का प्रकाशन नहीं हो पाया था। जून 2020 से पत्रिका का प्रकाशन नियमित रूप से हो रहा है। कोरोना के कारण डाक व्यवस्था में भी बाधा पहुंची है।

निवेदन है कि जिन सदस्यों को पत्रिका नहीं मिलती वे भी सम्बन्धित पोस्टमेन एवं डाकघर से इस विषय में सम्पर्क कर समस्या का हल करने में हमारा सहयोग करें। आपकी सुविधा हेतु 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' महासभा की वेबसाईट पर भी उपलब्ध है। आप सभी के सहयोग की कामना के साथ...

-आपका प्रकाश चन्द जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

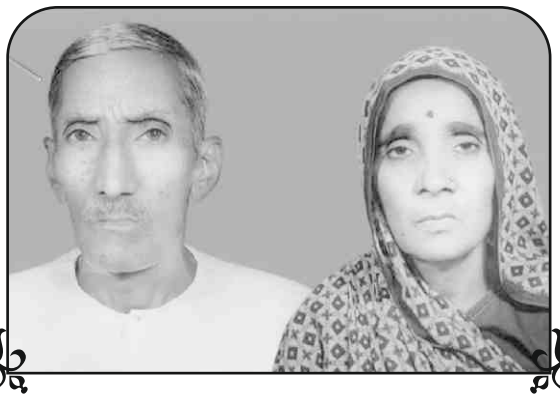

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवास:- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

दर्शन

❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊❊

दर्शन बोलचाल की भाषा में बोलने वाला एक सामान्य शब्द है जिसका मतलब हम सभी जानते हैं।

सभी जानते हैं कि दर्शन शब्द संस्कृत से लिया हुआ है और इसका अर्थ होता है देखना अर्थात जिसके द्वारा या जिसे समझ कर देखा जाए वही दर्शन कहलाता है। यहाँ देखने का मतलब आंखों से देखना नहीं है बल्कि तार्किक अंतःदृष्टि से देखना है अर्थात जिसके द्वारा यथार्थ तत्व की अनुभूति हो वही दर्शन है।

दर्शन हमें चीजों को देखने व उन्हें समझने का नजरिया देता है। इसलिए दर्शन हमारे जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हम जैसी वस्तु देखते हैं वैसे ही हमारे भाव बनते हैं, यदि हम अश्लील चित्र देखते हैं तो हमारे मन में राग भाव जागेंगे, यदि किसी देश भक्तों का चित्र देखते हैं तो हमारे मन में देशभक्ति के भाव जागेंगे, यदि किसी साधु संतों के चित्र या उनको प्रत्यक्ष देखेंगे तो त्याग भाव जागेंगे कहने का तात्पर्य यह है कि जैसे भाव मन में जागृत होंगे वैसा ही कर्म बंध होगा चाहे वह पुण्य का हो या फिर पाप का।

दर्शन शब्द को अंग्रेजी भाषा में फिलॉसफी कहते हैं और यह दो शब्दों से मिलकर बना है जिसका अर्थ होता है प्रेम और ज्ञान और इस प्रकार दर्शन का अर्थ होता है ''ज्ञान से प्रेम करना''। मनुष्य अपने जीवन में चारों ओर फैले हुए संसार को जानने व देखने का इच्छुक होता है, सभी प्रकार के ज्ञान को प्राप्त करना चाहता है और यही उसकी दार्शनिकता होती है।

यदि दर्शन शब्द को हम व्यापक रूप से जोड़ें तो यह आत्मा परमात्मा के स्वरूप की व्याख्या करता है। धर्म के अनुसार देखें तो दर्शन उस विद्या को कहा जाता है जिसके द्वारा तत्व का ज्ञान हो सके। दर्शन का क्षेत्र केवल (सिर्फ) ज्ञान तक ही सीमित नहीं है बल्कि समग्र व्यक्तित्व को अपने आप में समाहित करता है। दर्शन चिंतन का विषय नहीं बल्कि अनुभूति का विषय है। दर्शन हमारी भावनाओं को प्रतिबिंबित करता है और भावनाएं हमारे कार्य को नियंत्रित करती हैं।

दर्शन, ज्ञान की वह शाखा है जिसमें संपूर्ण ब्रह्मांड एवं मानव के वास्तविक स्वरूप की विवेचना की जाती है। दर्शन की अनेकों परिभाषाएं सामने आती हैं जब हम इसके बारे में विचार करते हैं या उसकी आत्म अनुभूति करते हैं तो इसकी परिभाषा में प्राकृतिक, सामाजिक, आत्मवादी आदि, सभी दर्शन के अर्थ को समझाते हुए हमें सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर ये दर्शन है क्या ?

दर्शन सही मायने में क्या है,

दर्शन यानी देखना! दर्शन शास्त्र का अर्थ भी अपनी–2 नजर से देखना ही है!

आत्मा के द्वारा आत्मा को देखना! स्वयं का स्वयं को देखना! हमारे सारे शास्त्रों का, तपस्या, पूजा, पाठ आदि का एक ही मात्र लक्ष्य हैं देखना, दर्शन! इसमे ये संकेत हैं कि स्वयं को देखने के लिये उन आवरणों को हटाना पड़ेगा जो कि आत्मा को ढके हुवे हैं, उसके बिना हम आत्मा को देख ही नही सकते! एक अभ्यास में ही जीवन बीत जाता हैं फिर भी गारंटी नही की दर्शन हो या ना हो!

हम सभी भगवान के, साधु संतों के, महापुरुषों के दर्शन भी करते हैं, इनका भी लक्ष्य वही हैं चित्त की शुद्धता, ताकि हम तटस्थ भाव से खुद को निहार सके, निखार सके, लेकिन दिक्कत तब आती हैं हम मंदिर जाते हैं, भगवान के दर्शन करने और उलझ जाते हैं कहीं और, हम मंदिर के अंदर तो जाते हैं लेकिन ध्यान हमारा भगवान की तरफ नहीं होता, उनसे बात नहीं कर पाते, हम उस गहराई तक उतर ही नहीं पाते, और अगर उतर पाये तो वो हमें अपने भीतर ही नजर आने लगेंगे! और हमें दर्शन लाभ हो पायेगा लेकिन हम उस ऊंचाइयों को छू ही नहीं पाते और वर्षों मंदिर के चक्कर लगाकर भी कहीं पहुँच ही नहीं पाते!

देखने का काम आत्मा का है, आँख खुली हो तब भी मन में अगर कुछ और चल रहा हो तो सामने की कोई वस्तु हमें दिखाई नहीं देती हैं!

अंतर केवल इतना है इस दर्शन के लिये आँख खुली ना रहकर बंद रहती हैं ! जो हम खुली आँखों से देखते हैं और जो हमारी स्मृति में अंकित है उसे भी बाहर निकालना पड़ेगा! ये दर्शन के रास्ते में रुकावट उत्पन्न करते हैं! विचार शांत हो, भाव शुद्ध हो, तब ही जीवन सहज हो सकता है, अपने अंदर का प्रकाश प्रकट होता है! जीवन का मूल लक्ष्य प्रकट होता है, और भीतरी शक्तियों का आभास होता है! तब दर्शन की प्रक्रिया शुरू होती है, अनावश्यक छूटने लगता है, नश्वर और शाश्वत का भेद स्पष्ट होने लगता है, यही दर्शन जीवन दर्शन बनता है, और स्वयं का स्वयं से परिचय होने लगता

है! बस यही है जीवन का दर्शन, इसमें भूमिका ज्ञान की होती है, एक से अनेक कैसे बनते हैं, इसकी जानकारी को विज्ञान कहा जाता है लेकिन हमारे भीतर एक ईश्वर बैठा हुवा है, जो इसकी जानकारी दे उसे ज्ञान कहा जाता है, और निश्चित रूप से आत्मा की खोज तो ज्ञान द्वारा ही सम्भव है, ज्ञान से ही आचरण बनता है और आचरण ज्ञान मिलकर ही दर्शन का मार्ग बनाते हैं।

दर्शन का बहुत अधिक महत्व है हमारे जीवन में, क्योंकि यह जगत् की उत्पत्ति के साथ–साथ जीने की उत्कंठा की सार्थकता को भी बताता है, प्रकृति के रहस्यों को ढूंढने से शुरू होकर, यह चिंतन उसके सामाजिक व लक्ष्य को केंद्र बिंदु भी बनाता है।

दर्शन को मुख्य रूप से हम दो प्रकार से ग्रहण करते हैं पहला सूक्ष्म तात्विक ज्ञान के रूप में और दूसरा जीवन की आलोचना और जीवन की क्रियाओं की व्याख्या के रूप में।

मनुष्य में चिंतन करने का गुण विद्यमान है, मनुष्य एक ऐसा प्राणी है जो सोच सकता है। मानव में विवेक अर्थात बुद्धि की प्रधानता है जिससे वह विश्व की विभिन्न वस्तुओं को देखकर उनके मूल स्वरूप को जानने की कोशिश करता रहता है, अपनी बौद्धिकता से वह अनेक प्रश्नों के उत्तर जानने के लिए बाध्य हो जाता है, जैसे– विश्व का स्वरूप क्या है? आत्मा क्या है? आत्मा का शरीर से क्या संबंध है? आदि अनेक ऐसे दृष्टिकोण हैं जिसे हम दर्शन के माध्यम से जान सकते हैं। अपनी आत्मा पर ढके हुए आवरण को हटाकर हमें यथार्थ को देखना है वही हमारा लक्ष्य है कहने का तात्पर्य यह है कि 'दर्शन' यथार्थ की परत के लिए एक दृष्टिकोण है।

अंत में, मैं इतना ही लिखूंगी कि दर्शन से ही जीवन का मुख्य लक्ष्य प्रकट होता है, हमें आत्म अनुभूति होती है, दर्शन से ही स्वयं का स्वयं से परिचय होता है, दर्शन स्वयं को यह स्मरण दिलाता है कि हमारे अंदर कितनी शक्ति, क्षमता है जिसे समर्थ बनाने के लिए अभ्यास की आवश्यकता है और वह अभ्यास आत्मा की खोज है जो ज्ञान व दर्शन से ही संभव है और वही जीवन के दर्शन का मार्ग प्रशस्त करता है।

–डॉ. रंजना जैन

पर्ल पैशन, बापू नगर, जयपुर

सामाजिक विषमता दूर करता है 'दान'

हिंदू संस्कृति में दान को बहुत महत्व दिया गया है। सभी धर्मों, उपनिषदों के अलावा श्रीमद्भगवद् गीता के 18वें अध्याय में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि यज्ञ, तप और दानकर्म मनुष्य को कभी नहीं छोड़ने चाहिये।

दान का अर्थ है जो कुछ भी हमारे पास है उसे उपयोग तक सीमित नहीं रखते हुए समाज के साथ बांटना। इसलिए दान केवल धन का ही नहीं होता। जिसके पास ज्ञान है वह ज्ञान का तथा जिसके पास समय है वह समय का दान दे सकता है। यहां तक कि जिसके पास कुछ नहीं है तो वह दुःखी के साथ सहानुभूति प्रकट कर उसका दुःख दूर करने में सहायक हो सकता है।

दान तीन प्रकार का होता है– सात्विक दान, राजसिक दान, तामसिक दान।

सात्विक दान– जो दान उपयुक्त समय पर सुपात्र व्यक्ति को बिना प्रतिफल की अपेक्षा (निष्काम भाव) से दिया जाता है वह सात्विक दान होता है। दान करने वाला व्यक्ति दान को अपना कर्तव्य मानता है ना कि उसे लोक में प्रसिद्धि या पारलौकिक जीवन के लिए पुण्य का साधन।

राजसिक दान– जो दान बिना मन के अथवा बदले में उपकार की इच्छा अथवा प्रतिफल में पुण्य की अपेक्षा के साथ किया जाता है वह राजसिक दान होता है। दान करने वाला व्यक्ति दान को प्रति उपकार, प्रतिफल का साधन मानता है कि कर्तव्य कर्म।

तामसिक दान– जो दान ग्रहण करने वाले को तुच्छ या हीन समझ कर दिया जाता है वह तामसिक दान होता है। शास्त्रों में सात्विक दान को उत्तम, राजसिक दान को मध्यम तथा तामसिक दान को निकृष्ट कहा गया है। हालांकि इसे दान नहीं देने की अपेक्षा अच्छा कहा गया है। हमारे पूर्वज, मनीषियों ने दान का धर्म के साथ अटूट संबंध जोड़ कर उसे आवश्यक धर्म घोषित किया है। शुद्ध हृदय से अपनी शक्ति अनुरूप दान दीजिये।

दान के लाभ– (1) दान हम में उपस्थित दुर्गुणों तथा मोह, लोभ, कंजूसी, भय (धन खोने का) को दूर करने में सहायता करता है।

(2) दान देने से हम प्रकृति से बेहतर सामंजस्य बना सकते हैं। प्रकृति में स्वाभाविक रूप से लेने और देने का क्रम निरंतर बना रहता है जिससे चीजों का संतुलन बना रहता है।

(3) आर्थिक विषमता के युग में लोग स्वेच्छा से किसी की सहायता करते हैं तो समाज में अपराध लूट आदि की संभावना घटती हैं। अतः स्वेच्छापूर्वक दान देना चाहिए।

(4) जैसा कि हम जानते हैं कि एक दिन सभी को ना केवल संपत्ति, रिश्तेदार छोड़ने हैं बल्कि यह शरीर भी छोड़ना होगा, अतः दान द्वारा हम छोड़ने की प्रवृत्ति की शुरुआत कर सकते हैं। एक हाथ से दिया दान हजारों हाथों से लौटकर आता है।

–मंजू जैन

71/7, मानसरोवर, जयपुर

पल्लीवाल जैन समाज के लिए 2 अक्टूबर का महत्त्व

हम भारत वासियों के लिए 2 अक्टूबर का दिन महान दिवस है। इस पवित्र दिवस पर अहिंसा के पुजारी, युगदृष्टा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी, जिन्होंने दुनिया को सत्य और अहिंसा पर चलना सिखाया और श्री लाल बहादुर जी शास्त्री भारत के पूर्व प्रधानमंत्री जिन्होंने विनम्रता और सादगी का संदेश दिया। दोनों महापुरुषों का जन्मदिवस मनाया जाता है। उन्हें हम शत् शत् नमन करते हैं।

2 अक्टूबर का दिन हमारे पल्लीवाल समाज के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की स्थापना 20 अप्रेल 1969 को भरतपुर में आयोजित प्रथम अधिवेशन में हुई थी। इसके गठन में डॉ. क्रान्ति कुमार जी जैन का विशेष योगदान रहा था। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के गठन का उद्देश्य समाज को संगठित कर परस्पर सदभाव व प्रेम बढ़ाना तथा समाज के सभी व्यक्तियों का नैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक तथा शारीरिक विकास करना है। इस अधिवेशन में सर्वसम्मति से प्रथम कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया था, स्व. श्री हरिराम जी कोठारी अलवर, अध्यक्ष एवं डॉ. क्रान्ति कुमार जी जैन जयपुर महामंत्री निर्वाचित हुए थे। इस अधिवेशन में समाज सुधार के अनेक प्रस्ताव पास हुऐ थे, इसी अधिवेशन में यह प्रस्ताव भी पास किया गया था कि (डॉ. क्रान्ति कुमार जी जैन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार) पल्लीवाल समाज के बन्धु जहां–जहां भी निवास करते हैं उन सभी स्थानों शहरों, कस्बों व गांवों में गांधी जयंती के अवसर पर 2अक्टूबर को हमारे समाज द्वारा सामूहिक रूप से उत्सव के रूप में मनाया जाये। समाज को संगठित करने, समाज में एकता कायम करने व आपस में प्रेमभाव जागृत करना, इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य समाज के उस समय के नेतृत्व करने वाले समाज सेवियों का था। अहिंसा जैन धर्म का मुख्य सिद्धांत है, इसलिए अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी जी के जन्म दिवस को, पल्लीवाल जैन समाज द्वारा उत्सव के रूप में मनाए जाने के लिए स्वीकार करने की समाज की भावना हो।

वर्ष 1969 में महासभा की स्थापना के बाद से ही आगरा, जयपुर, अलवर, कोटा, ग्वालियर, देहली, पालम, मुरेना, भरतपुर, अजमेर आदि बड़े शहरों, कस्बों, आगरा ग्रामीण एवं अनेक गांवों में मनाया जाता था, और अनेकों स्थानों पर अभी भी मनाया जाता है। कुछ शाखाएं 2अक्टूबर के बजाय अन्य तिथियों पर मनाते है। सभी शाखाएं यदि 2अक्टूबर को ही सामूहिक उत्सव पल्लीवाल मेले के रूप में मनाए तो एकरूपता रहेगी और हमारा संगठन सुदृढ़ होगा।

जयपुर में हमारे समाज द्वारा करीब 50 वर्षों से हमेशा 2अक्टूबर को सामूहिक समारोह के रूप में पल्लीवाल जैन मेले के रूप में मनाया जा रहा है। इस वार्षिक मिलन समारोह में समाज के अधिकांश परिवार आपस में मिलते–जुलते हैं। शैक्षिक एवं खेल कूद प्रतियोगिताऐं, समाज की प्रतिभाओं को, त्यागी वृतियों को सम्मानित किया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। रक्तदान शिविर लगाया जाता है। सामूहिक भोज होता है जिसका अलग ही आनन्द होता है। हर वर्ष यादगार प्रोग्राम होता है।

दुर्भाग्यवश इस वार्षिक मिलन समारोह को विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देश व गाइड लाइनों के कारण महासभा की जयपुर शाखा वअन्य शाखाएं आयोजित नहीं कर पायी हैं। जिससे हम सभी एक–दूसरे से मिलने से वंचित रह गए। पिछले 6 महिने से हम आपस मे एक दूसरे से मिल नहीं पा रहे हैं। घरों में बंद हैं। अभी भी निश्चित नहीं की हम कब आपस में मिल पायेंगे। मेरे दिल में इस वर्ष बड़ी वेदना रही कि हम 2अक्टूबर का वार्षिक उत्सव–मेला आयोजित नहीं कर पाए और जयपुर के जिस 2अक्टूबर के वार्षिक उत्सव में, मैं स्वयं 1986 से 2019 तक लगातार 34 वर्ष तक उपस्थित रहा हुं इस बार कोरोना महामारी के कारण वंचित रहना पड़ा जिसका मुझे दुःख हो रहा है।

मुझे विश्वास है कि ईश्वरीय कृपा एवं हम सभी की पूर्ण सावधानियों से इस महामारी से जल्दी ही निजात मिलेगी और हम सब बड़े उत्साह से मिलेंगे।

जयपुर शाखा द्वारा इस वर्ष 27 सितम्बर से 2अक्टूबर तक लगाएं गये रक्तदान शिविर के लिए शाखा कार्यकारिणी व शिविर के संयोजकों को साधुवाद।

–श्रीचंद जैन, जयपुर

धर्मपरायण, कुशल प्रशासक एवं दृढ इच्छाशक्ति के धनी

स्व. श्री नन्द किशोर जैन

मूलतः बडेर, अलवर निवासी श्री नन्द किशोर जैन का जन्म 11.08.1936 को अलवर शहर में स्व. श्री छाजूराम जैन के यहां हुआ था। मात्र 6 वर्ष की उम्र में ही अपनी माता स्व. श्रीमती कल्याणी देवी को खो देने के उपरोक्त इनका अधिकांश बचपन अलवर में ही घर के समीप ही स्थित ननिहाल में व्यतीत हुआ। पिताजी के पटवारी के पद से सेवानिवृत्ति उपरांत इनकी किशोर एवं युवावस्था संघर्षमय रही। वर्ष 1955 राजकीय सेवा हेतु जयपुर आये एवं यही के होकर रह गये। वर्ष 1956 में इनका विवाह स्व. श्रीमती सरला देवी से हुआ जिससे इन्हें एक पुत्री एवं तीन पुत्रों की प्राप्ति हुई।

राजकीय सेवा के दौरान ही इन्होंने स्नातक एवं कानून की डिग्री प्राप्त की। सेवाकाल के दौरान निदेशालय कोष एवं लेखा में निजी सहायक, कार्यालय अधीक्षक, प्रशासनिक अधिकारी के पद पर रहते हुए अगस्त 1993 में सेवानिवृत्त हुए। सेवाकाल के दौरान लेखा संवर्ग के समाजजनों की नियुक्ति, पदस्थापन, स्थानान्तरण आदि कार्यों में अपनी क्षमता से परे जाकर सहयोग प्रदान किया। समाज बन्धुओं के अन्य राजकीय विभागों में अटके कार्यों को शीघ्र निस्तारित करवाने हेतु सदैव तत्पर रहे। कई समाजजनों की नियुक्ति करवाई। वैसे तो सम्पर्क करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की मदद हेतु सदैव तत्पर रहते थे, किन्तु जैन समाज विशेषकर पल्लीवाल समाज के युवाओं व्यवसायियों, व्यापारियों की मदद करके उन्हें आत्मीय सुख एवं शांति का अनुभव होता था। अपने सेवाकाल के दौरान लम्बे समय तक विभागीय समिति के अध्यक्ष रहे।

वे अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा जयपुर के दो बार अध्यक्ष (1999–2001 एवं 2003–2005) रहे। इनके कार्यकाल में जयपुर में सर्वप्रथम वर्ष 2000 में पदमपुरा में सामूहिक विवाह का अयोजन हुआ।

निधन के समय स्व. श्री नन्द किशोर 84 वर्ष की आयु पूर्ण कर अपने निज निवास एस–37, वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर में निवासरत थे। उनके 13.10.2020 को देवलोकगमन से पल्लीवाल जैन समाज ने सेवाभावी, कर्मठ, धर्मपरायण, सामाजिक कार्यों मे सदैव अग्रणी रहने वाले समाजसेवी को खो देने से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। श्री नन्द किशोर जी असीम प्रेम, धर्मानरागी, कठोर इच्छा शक्ति, विद्वता, अपनत्व, एवं दूरदृष्टि के धनी होने के साथ–साथ कुशल प्रशासक रहे हैं।

वर्ष 2019-2020 में 10वीं, 12वीं में मेरिट में आये समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को पुरष्कृत करने के लिए आवेदन की सूचना

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति वर्ष 2013 से पल्लीवाल समाज के लिए शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। हर वर्ष समाज के 10वीं व 12वीं कक्षा में 95% या अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने व उनके मनोबल को समाज के सामने प्रोत्साहित करने के लिए एक समारोह आयोजित कर सम्मानित करती आ रही है। इस वर्ष कोरोना जैसी महामारी ने सभी सामूहिक आयोजनों को प्रभावित कर दिया है। यदि स्थितियां अनुकूल हो जाती हैं तो दिसम्बर 2020 या जनवरी 2021 में शिक्षा समिति ने इस बार भी भव्य समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। अतः आप सभी समाज बंधुओं व अभिवावकों से विनम्र निवेदन है कि वृहद प्रचार कर समाज के ऐसे बच्चों जिन्होने सैकेण्डरी एवं हायर सैकण्डरी की परीक्षा में 95% या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हो, का विवरण अर्थात (1) अंक तालिका की फोटो कॉपी (2) बच्चे का पासपोर्ट साइज का एक फोटो (फोटो के पीछे उसका नाम, पिता का नाम) (3) माता, पिता का नाम व पूरा पता मय मोबाइल नं. निम्न पते पर 20 नवम्बर 2020 तक डाक या व्यक्तिगत भिजवाने में सहयोग करें।

अशोक कुमार जैन

मंत्री, पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

2–बी, रामद्वारा कॉलोनी, महावीर नगर,

दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास, टोंक रोड,

जयपुर–302018

मोबाइल नं. 9414047684

अपील

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति शिक्षा के क्षेत्र में सन् 2013 से अनेक योजनाओं का कुशलता के साथ संचालन कर रही है। आप सभी के संस्था में विश्वास व आर्थिक सहयोग का ही परिणाम है कि शिक्षा समिति ने अल्प समय में ही जयपुर की शिव ऑफिसर कॉलोनी, जगतपुरा में एक भव्य भवन, जिसमें एक पब्लिक प्राइमरी स्कूल व 14 कमरे के हॉस्टल का निर्माण कार्य शुभारम्भ किया। इसके लिए समिति आप सभी का आभार व्यक्त करती है। कोरोना महामारी के भयानक अवरोध के बाबजूद आप सभी के असीम स्नेह एवं आर्थिक सहयोग से **372 वर्ग गज में 12,500 स्कवायर फीट का पांच मंजिला भवन** का भव्य निर्माण कार्य समाज के वरिष्ठ इंजीनियर, आर्किटेक्ट एवं हमारे मार्गदर्शक व प्रेरणास्रोत आदरणीय श्री आर.सी. जैन साहब की देखरेख में पूरा हो चुका है। अब फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। कार्यकारिणी इसे दिसम्बर 2020 तक पूर्ण कराकर आप सभी की उपस्थिति में समाज को समर्पित करने का भरसक प्रयास कर रही है। कुछ धन की कमी की संभावना है। इसके लिए समिति को आप सभी के मार्गदर्शन व सहयोग की पल-पल पर आवश्यकता है। समाज के सभी बन्धुओं, माताओं, बहनों एवं युवा वर्ग से निवेदन है कि इस महती परियोजना के लिए अपना योगदान देकर पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति को अनुगृहित करें। आप यह राशि चैक या नगद भिजवाने का कष्ट करें। जिससे धनाभाव के कारण इस परियोजना में बिलंब न हो। जमा राशि की रसीद आपको तुरंत भिजवा दी जाएगी।

द्वितीय फेज में, इस भूखंड के बगल में बहुत ही मौके का लगभग 250 वर्ग गज का भूखंड है, समिति उसे लेने का प्रयास कर रही है। कार्यकारिणी ने इस भूखंड की खरीद व निर्माण के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया है।

1. एक गज भूमि के लिए दान राशि रु. 21,000/-
2. एक गज भूमि + उस हिस्से पर निर्माण के लिए दान राशि रु. 31,000/-
3. छोटे कमरे के लिए दान राशि रु. 3 लाख
4. बड़े कमरे के लिए दान राशि रु. 5 लाख
5. हॉल के लिए दान राशि रु. 11 लाख
6. पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति का स्थाई संरक्षक सदस्य बनने के लिए राशि रु. 1 लाख यथावत रहेगी। संरक्षक सदस्य आजीवन व बाद में उनके द्वारा नामित सदस्य भी आजीवन संरक्षक सदस्य बने रहेंगे।

आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि आप व्यक्तिगत रुचि लेकर इस समाज उपयोगी कार्य में अपनी भागीदारिता सुनिश्चित कर अपना सहयोग प्रदान करें। कोरोना महामारी के कारण हम व्यक्तिगत रूप से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। इस महामारी के काल में ईश्वर आपको व आपके परिवार को स्वस्थ व सुरक्षित रखे। इन्हीं भावनाओ के साथ।

बैंक विवरण :

खाता धारक : **पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति**
बैंक : आई.सी.आई.सी.आई, राजस्थान यूनिवर्सिटी कैंपस, जयपुर
खाता सं. : 677701700681
IFSC Code : ICIC0006777

अध्यक्ष	*मंत्री*	*कोषाध्यक्ष*
प्रो. डॉ. ताराचंद जैन	**अशोक कुमार जैन**	**अनिल कुमार जैन**
(रिटा.) (पर्ल ग्रुप)	*(भू.पू. महामंत्री महासभा)*	*(स.महाप्रबंधक बीएसएनएल, से.नि.)*
मोबाइल : 9929769939	मोबाइल : 9414047684	मोबाइल : 9414001041

रजि. कार्यालय : **'दांतिया हाउस' सी-22, इंद्रपुरी, लाल कोठी, जयपुर-15, फोन : 0141-2742467**

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

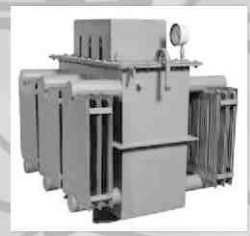

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

In Loving Memory of

Late Sh. Shyamlal Ji Jain & Late Smt. Jaidevi Ji Jain

Raj Kumar Jain - Sushila Jain
(Son & Daughter in Law)

Vikas Jain - Babita Jain
Vipin Jain - Ritu Jain
(Grand Son & Grand Daughter in Law)

Abhilasha Salecha - Nitin Salecha
Manisha Jain - Sanjeev Jain
(Grand Daughter & Grand Son in Law)

JAPAN KARATE-DO NOBUKAWA-HA SHITO-RYU KAI INDIA

UNIT-RAJASTHAN

LEARN

KARATE CLASSES

1. Self Defence Course.
2. Black-Belt Training Programme.
3. Yoga Training For Karate Students.
4. Organise District, State, National, International Championships & Training Programme.

FRENCH CLASSES

1. Prepare For Basic French Language.
2. Prepare For Delf Exam. (Conduct by Allaince De Français)

CONTACT :

Vipin Jain
3rd Dan Black Belt
Chief Karate Instructor of Rajasthan & West India Coordinator
9829180895
www.karatedorajasthan.com

Firm :

Jain Packing Materials

(Traders of Packing Materials & Machines)
46, Royal Complex, Medical Market, Near Railway Station, Ajmer (Raj.)

Residential Address :
464, "Shyam Sadan", Near Palliwal Digamber Jain Temple, Pal Bichla, Ajmer

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

हमारे श्रद्धेय जीजाजी

स्व. श्री नन्द किशोर जी जैन

(भूतपूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा जयपुर)

के दिनांक 13 अक्टूबर 2020 को
आकस्मिक देवलोक गमन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए
वीर प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

श्रद्धावनत

सुभाषचन्द - महादेवी पालीवाल
एवं शोकाकुल परिवार

निवास

फ्लेट नं. 1, एम.डी. वैष्णवी णाम, ब्लॉक-सी, डी.एच. रोड, जोका, कोलकाता-700104
मोबाईल : 9163652457

द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(स्वर्गवास 27.10.2017)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुए श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

मुन्नी देवी जैन
(धर्मपत्नी)

वीरेन्द्र कुमार-महारानी जैन
राजेन्द्र प्रसाद-कुसुम जैन
राधे लाल-विनोद जैन
माया देवी

पवन कुमार-नीरू *(पुत्र-पुत्रवधु)*
पंकज जैन *(पुत्र)*
शालिनी-सुमित *(पुत्री-दामाद)*
कुनाल, प्रशम, ऋषभ, सारा

एवम् समस्त परिवारजन सकतपुर वाले (आगरा)

निवास :
फ्लेट नं. 203, गोल्डन सौभाग्य, बी-81, राजेन्द्र मार्ग,
बापू नगर, जयपुर-302015
सम्पर्क : 9811793746, 9810013895, 9540729705

भावभीनी श्रद्धांजलि

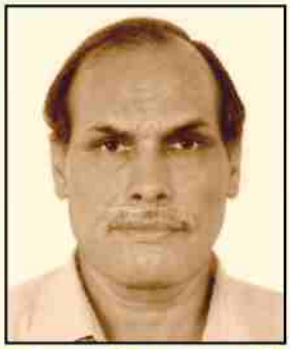

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

शाखा आगरा

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा द्वारा ऑल इंडिया लेवल पर एक भजन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया था। पूरे भारत देश और विदेशों से पल्लीवाल समाज के सभी प्रतिभावान प्रतियोगियों ने भाग लिया जिसमें से आगरा शैली से कैटेगरी द्वितीय में प्रथम स्थान कुमारी ख्याति जैन और कैटेगरी तृतीय में द्वितीय स्थान श्रीमती अदिति जैन ने प्राप्त किया। दोनों प्रतियोगियों को एम.डी. जैन इंटर कॉलेज में पुरस्कार दिए गए और बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शिव कुमार जी जैन (शाखा अध्यक्ष) ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रेखा जी जैन (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) एवं मुख्य अतिथि श्री जितेंद्र कुमार जी जैन (पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री), श्री विमल जी जैन (संयुक्त मंत्री), श्री प्रमेंद्र जी जैन (क्षेत्रीय संगठन मंत्री), केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री निर्मल कुमार जी जैन (अलमारी वाले) एवं श्री मनीष जैन (ठेकेदार), श्रीमती वंदना जैन सह संयोजिका (महिला मंडल), श्री शिवम जैन (सहसंयोजक युवक मंडल), श्री अनिल जैन बजाज (कोषाध्यक्ष, शाखा आगरा), श्री राहुल जैन, श्री नितेश जैन, श्री दीपक जैन, श्रीमती इंदिरा जैन, श्री प्रमोद कुमार जैन आदि लोग उपस्थित रहे। संचालन श्री राहुल के जैन एड. (मंत्री, आगरा शाखा) ने किया।

शाखा जयपुर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा द्वारा यूटूब चैनल पर भजन प्रतियोगिता का आयोजन माह अगस्त में किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा दिनांक 20.09.2020 को ऑनलाइन की गई। प्रतियोगिता में जयपुर से जो प्रतियोगी विजेता रहे उन प्रतियोगियों को दिनांक 11.10.20 को जयपुर शाखा के सानिध्य में श्री पल्लीवाल जैन भवन में एक संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन कर को सम्मानित किया गया। केटेगरी तृतीय में प्रथम स्थान– श्रीमती बबिता जैन, केटेगरी द्वितीय में द्वितीय स्थान– कु. महिमा जैन, केटेगरी तृतीय में मोस्ट लाइक– श्रीमती अलका रानी जैन रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन द्वारा की गई। कार्यक्रम में महासभा के सहमंत्री श्री संजय कुमार जैन, पत्रिका सम्पादक श्री पी.सी. जैन, कार्यकारणी सदस्य श्री मुकेश चंद जैन, श्री पारस मल जैन, श्री पारस जैन (खेरली), जयपुर शाखा के मंत्री श्री देवेंद्र कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्री शिखर चंद जैन, अर्थमंत्री श्री बनवारी लाल जैन आदि उपस्थित थे। प्रतियोगियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। तीनों प्रतियोगियों द्वारा एक–एक भजन की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में जयपुर शाखा द्वारा स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजीव रतन जैन द्वारा दूरभाष पर जानकारी दी गई है कि शीघ्र ही नृत्यांजली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

शाखा अलवर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा अलवर की कार्यकारिणी की बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह पल्लीवाल महासभा भवन अलवर में हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारंभ कनिका जैन के मंगलाचरण से किया गया।

कुमारी कनिका जैन को राष्ट्रीय भजन गायन प्रतियोगिता के ग्रुप–1 में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया तो नमन जैन को सबसे ज्यादा व्यूज प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया। इसी प्रतियोगिता में कुमारी अनवेषा जैन को सर्वाधिक लाइक्स प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अजीत जी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके गायन की सराहना की। पल्लीवाल महासभा अलवर के अध्यक्ष श्री वी.के. जैन साहब ने भी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनकी भूरी–भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम में श्री कुलदीप जी एवं श्री अशोक जी जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन पल्लीवाल महासभा अलवर के सांस्कृतिक सचिव अंकुर जैन ने किया।

कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष श्री रूपेश जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राकेश जैन, श्री कुलदीप जैन सदस्य, श्री संजय जैन, सहमंत्री सोनू जैन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी से श्री कमल जैन, श्री सम्भवनाथ दिगम्बर जैन मान्दिर के अध्यक्ष श्री महेश जैन, श्री हरीश जैन, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री पार्श्व जैन, जगदीश जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

****

शाखा शिवपुरी

राष्ट्रीय भजन गायन प्रतियोगिता में केटेगिरी–प्रथम में शिवपुरी की कु. रिद्धिमा जैन को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिवपुरी के प्रमुख श्री रामजी लाल जैन, श्री पी.एल. जैन, श्री एल.के. साहब ने एक कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया।

बधाई

अभिनव जैन सुपुत्र डॉ. अशोक कुमार जैन एवं डॉ. बबीता जैन (महवा वाले) का नीट–2020 में ऑल इंडिया रैंक 160वीं आने पर अ.भा.प. जैन महासभा अभिनव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित करती है।

शालीन जैन सुपुत्र श्री सुशील जैन एवं श्रीमती सविता जैन, निवासी लक्ष्मणगढ़ का नासा में एस्टेरोइड एनालिसिस प्रोग्राम में चयन होने पर अ.भा.प. जैन महासभा शालीन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित करती है।

महासभा सदस्यता

1. **श्रीमती संगीता प्रशान्त उमाठे जी जैन** धर्मपत्नी श्री प्रशान्त ए. जैन, देवनन्दी कॉलोनी, रनाला, कमाटी, जिला नागपुर *(र.सं. 4855)*
2. **श्री अजीत कुमार जी जैन** पुत्र स्व. श्री बिमल कुमार जैन, प्लाट नं. 289, स्कीम 10, विवेक विहार, अलवर *(र.सं. 4856)*
3. **श्रीमती रेनू जी जैन** धर्मपत्नी श्री अजीत कुमार जैन, प्लाट नं. 289, स्कीम 10, विवेक विहार, अलवर *(र.सं. .....)*

महासभा सहायता

★ **श्री सुधीर जी जैन, विपिन जी जैन एवं श्रीमती साधना जी जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री अरूण जी जैन (वडेर वाले) एस–37, वसुन्धरा कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर ने अपने पूज्य पिताजी श्री नन्द किशोर जी जैन के दिनांक 13.10.2020 को स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में रु. 2100/– भेंट किये। *(र.सं. 4832)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री सुधीर जी जैन, विपिन जी जैन एवं श्रीमती साधना जी जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री अरूण जी जैन (वडेर वाले) एस–37, वसुन्धरा कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर ने अपने पूज्य पिताजी श्री नन्द किशोर जी जैन के दिनांक 13.10.2020 को स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में रु. 2100/– भेंट किये। *(र.सं. डी–2391)*

Sir editorial on Dr. K.C. Jain was real tribute to him. The Man with versatile personality and you have tried to compiled his way of life in few words with good effort.

Thank You for your editorial on person who throw his life in social service and social reforms.

-Chakresh Jain
S/o Late Sh. Nirmal Chand Jain (Sikar)
10/515, Chetna Path, Kaveri Path
Mansarovar Jaipur

विधवा सहायता

★ **श्री बाबूलाल जी जैन** (नौगांवा), आर.जेड. 7ए/2, गली नं. 3, पूरन नगर, पालम गांव, ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती लक्ष्मी जैन की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 6000/– भेंट किये। *(र.सं. 4854)*

★ **श्री विजेन्द्र कुमार जी जैन**, बी–67, कर्मचारी कॉलोनी, अशोक विहार, अलवर ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4828)*

★ **श्री ज्ञानचन्द जी जैन**, ए–2, जैन मन्दिर रोड, मोहन नगर, हिण्डौन ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती गीता जैन की चतुर्थ पुण्यतिथि (दि. 10.10.2020) पर उनकी स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4829)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन, पंकज जैन**, 12, रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली–110045 ने विधवा सहायता हेतु रु. 5100/– भेंट किये। *(र.सं. 4830)*

★ **श्री प्रकाश चन्द जी जैन, वी.के. जैन**, 5368–70, लड्डू घाटी, पहाड़गंज, नई दिल्ली–110055 ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4831)*

पत्रिका सदस्यता

3075. **Sh. Jinesh Ji Jain,** Khasra No. 871, B-Block, Gali No. 24, Phase 1, Road No. 6, Near Khatu Shyam Mandir, Shyam Vihar, New Delhi-110043, Mob.: 9210724883 *(CR D-2386)*

3076. **Smt. Chandani Ji Jain** W/o Sh. Vivek Kumar Jain, 79/64, Shipra Path, Mansarovar, Jaipur-302020 (Raj.), Mob.: 9413415001 *(CR D-2366)*

3077. **Sh. Nirmal Ji Jain**, Tosh Green Residency, Flat No. 201, Shanti Nagar, Mughal Road, Kamla Nagar, Agra-282006 *(CR D-2365)*

3078. **Sh. Nitin Ji Jain** S/o Sh. Dev Bhushan Jain, House No. WZ-437, Palam Village, New Delhi-110045 *(CR D-2367)*

3079. **Sh. Hitesh Ji Jain,** E-344, Sonesta Meadows, Thubrahalli Extended Road, Thubrahalli, Whitefield, Bangalore-560066 (Karnataka) *(CR D-2389)*

अटूट श्रद्धा

श्यामा एक ग्वाले की पुत्री थी। वह प्रतिदिन नाव से नदी पार कर पण्डित जी के घर दूध देने जाती थी। यह उसका प्रतिदिन का कार्य था। एक दिन वह दूध दे कर लौट रही थी कि वर्षा अधिक होने से नदी में बाढ़ आ गयी। इस कारण वह घर नहीं जा सकी और वही मन्दिर में पण्डितजी के प्रवचन सुनने बैठ गयी।

पण्डितजी प्रवचन में णमोकार मन्त्र की महत्ता बता रहे थे। 'यह णमोकार मन्त्र सब पापों का नाश करने वाला है, इस मन्त्र का जाप करने वाले बड़े-बड़े समुद्र, तालाब नदी आदि को सरलता से पार हो जाते है। श्रीपाल ने इसी मन्त्र का जाप करके विशाल समुद्र को पार किया था।'

यह सुनकर उस कन्या को भी णमोकार मन्त्र के प्रति अचल श्रद्धा हुई। वह मन्दिर से नदी पर आई और तुरन्त ही णमोकार मन्त्र को याद कर नदी में कूद पड़ी। मन्त्र जपते-जपते नदी पार हो गयी। अब उसकी श्रद्धा और भी बढ़ गयी। वह प्रतिदिन नाव से आती थी, पर अब वह मन्त्र के द्वारा नदी पार आने-जाने लगी। नाव के पैसे भी बचने लगे। प्रतिदिन णमोकार मन्त्र के प्रभाव से नदी पार कर आना-जाना बढ़ने लगा। उसकी पण्डितजी के प्रति श्रद्धा भी बढ़ने लगी। एक दिन उसने पण्डितजी से कहा- आपने मुझ पर बड़ा उपकार किया है, मुझे अचूक मन्त्र दिया है। आप कल मेरे घर भोजन को पधारें। पण्डितजी ने स्वीकृती दे दी। कन्या प्रात: काल आई और पण्डितजी को कहा चलिए। पण्डित जी बालिका के साथ चल दिए। सामने गहरी नदी देख पण्डितजी बोले, बेटी! नदी पार कैसे करेंगे? नाव नहीं है। कन्या ने णमोकार मन्त्र जपा और नदी में कूद गयी और किनारे पर पहुंच गयी। कन्या पुकारने लगी- 'पण्डितजी आइये', पर पण्डितजी का साहस नहीं हुआ। वे सोचने लगे 'कहीं डूब गया तो परिवार का क्या होगा।'

पण्डितजी को कन्या बुला रही है- पण्डित जी! आपने तो उपदेश दिया था कि णमोकार मंत्र के स्मरण से बड़े-बड़े नदी, तालाब क्षण मात्र में पार किये जा सकते हैं। अब क्या हो गया आपको? पर पण्डितजी का साहस नहीं हुआ, वह कन्या श्रद्धा के बल नदी पार कर गयी। पण्डितजी किनारे पर ही खड़े रहे।

ये उस पण्डितजी की कहानी नही , बल्कि हम सबकी कहानी है। हमें भी हमारे देव शास्त्र गुरु पर सच्चा श्रद्धान नहीं है इसलिए हम कुदेव कुगुरु, कुशास्त्र को भजते हैं उनका प्रचार-प्रसार करते हैं और अपने धर्म के प्रचार-प्रसार में उदासीन रहते हैं। अगर हम सभी को भी णमोकार मन्त्र, वीतरागी देव-शास्त्र-गुरु पर अटूट श्रद्धा हो तो नदी, समुद्र ही क्या संसार का बेड़ा भी पार हो जायेगा।

प्रेरक प्रसंग

आचार्य श्री 108 सुधर्म सागर जी महाराज का समाधिमरण

सन् 2013 में पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति की स्थापना 11 संरक्षक सदस्यों के द्वारा की गई थी। समिति को अस्तित्व में लाने के लिए विचार चल रहा था। समिति अपनी योजनाओं के प्रथम चरण में हॉस्टल चालू करने पर विचार कर रही थी, कि जयपुर में बाहर से आने वाले समाज के पढ़ने वाले बच्चों को यह सुविधा निःशुल्क कैसे उपलब्ध कराई जाए। लेकिन फण्ड की भी स्थिति अच्छी नहीं थी, अतः इसे कैसे प्रारंभ किया जाय, यह चिंतन शिक्षा समिति के मनमस्तिष्क में चल रहा था। प्रथम अध्यक्ष आदरणीय श्री आर.सी. जैन के मन में विचार आया कि सीतापुरा इंजीनियरिंग कॉलेजों का हब है, इसके आस-पास ही हॉस्टल खोला जाय तो समाज के ज्यादातर बच्चों को लाभ होगा। अध्यक्ष जी के सुझाव पर पूरी कार्यकारिणी बीलवा, टोंक रोड महाराज श्री सुधर्म सागर जी के पास गयी, महाराज श्री सुधर्म सागर जी द्वारा स्थापित श्री शान्तीनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर के परिसर में यात्रियों के विश्राम हेतु बहुत सारे कमरे बने हुए हैं। समिति के अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन ने महाराज श्री को पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए समिति की समस्त समस्याओं के बारे में अवगत कराया। पूज्य महाराज श्री सुधर्म सागर जी द्वारा समिति की बात को अत्यन्त गम्भीरता के साथ सुना और तुरन्त समस्या का समाधान करते हुए हॉस्टल के लिए 10 कमरे देने की सहमति और आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'यह बहुत अच्छा कार्य है। समिति को पलंग आदि भी यहां से दिला दूंगा तथा रसोई का शेष कार्य भी पूर्ण करवा देता हूं।' महाराज जी इन आशीष वचनों से सभी सदस्यों में जोश आ गया तथा 20 दिन में ही 20 बच्चों के रहने व खाने की व्यवस्था हो गयी। हालांकि हॉस्टल ज्यादा दिन नहीं चला। वहां से रात्रि में साधन न होने से बच्चे रुक नहीं पाए। लेकिन महाराज जी की इस पहल व आशीर्वाद से समिति को आगे चलने की राह व उत्साह मिला, जिसका परिणाम है कि आज जगतपुरा में 5 मंजिला भवन का निर्माण हो चुका है, जिसमें प्राथमिक पाठशाला व हॉस्टल का फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति देवलोकगामी मुनि श्री 108 सुधर्मसागर जी के श्री चरणों में वंदन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करती है। समिति उनके उपकारित मार्गदर्शन को हमेशा याद रखेगी। परमपिता परमात्मा उनकी आत्मा को मोक्ष पथ की ओर अग्रसित करते हुए परम शांति प्रदान करें, इसी भावना के साथ।

-अशोक कुमार जैन, मंत्री
एवं समस्त कार्यकारिणी पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. कु. प्रतिष्ठा जैन

(जन्मतिथि : 15.03.1998 - पुण्यतिथि : 21.10.2019)

हमारी जीवन शैली में, शैली तेरी याद रहेगी।
हमारे दिलों में प्रतिष्ठित, प्रतिष्ठा तो हमेशा हमारे साथ रहेगी।

श्रद्धावनत

ताई-ताऊजी :
विनिता-विनोद जैन
चाचा-चाची :
रिम्पी-सौरभ जैन
मौसी-मौसाजी :
कंचन-राजकुमार जैन
मामा-मामी :
आशा-विमल चंद जैन
स्नेहलता-विनोद कुमार जैन
अंजु-विजेन्द्र जैन

दादा-दादी :
स्व. श्रीमती शारदा देवी जैन-डॉ. रज्जन सिंह जैन
मम्मी-पापा :
बीना-ऋषभ जैन
नाना-नानी :
जैनमती जैन-कपूर चन्द जैन

बुआ-फूफाजी :
विमलेश-ओ.पी. जैन
डॉ. रेखा-डॉ. अतुल जैन
भाई, बहिन :
प्रियम, मेघा, खुशी, काव्य, प्रेरक, ईशा, विदुषी, आयुषी, अक्षत, अर्णिमा, भूपेश, रजत, हर्षित, यश, अविरल, अर्पित, शालिनी, निकिता, प्रज्ञा, साक्षी

निवास : 43/204, जैन गली, सिकन्दरा, आगरा, मो.: 9897263951, 8077450670

चतुर्थ पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती कुसुम देवी जी जैन

(15.10.1947 - 07.11.2016)

(मूल निवासी-वैर, भरतपुर)

श्रद्धासुमन अर्पित

पी.सी. जैन (पति)

(सेवानिवृत प्राचार्य)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
तरूण कुमार जैन-सुमित्रा जैन
राजीव जैन-दीपमाला जैन

पौत्र-पौत्री :
हर्ष, प्रगति, इशीता, ईशान

पुत्री-दामाद :
राजश्री जैन-सुभाष जैन
मंजूश्री जैन-राजेन्द्र जैन
मालाश्री जैन-डॉ. प्रदीप जैन

नवासा-नवासी :
नेहा, शुभम, यश, लीना, चेतन, मोहित

देवर-देवरानी :
कैलाश चन्द जैन-राजुल जैन
सुरेश चन्द जैन-मंजूलता जैन

ननद-ननदेउ :
कौशल जैन-सुरेश चन्द जैन

-: प्रतिष्ठान :-

वैज्ञानिक दृष्टिकोण
123/83, मानसरोवर,
जयपुर-302020

केयरडील फार्मा
एस-1, स्वास्तिक अपार्टमेंट, बी-25,
गंगा-जमुना कॉलोनी, मुरलीपुरा, जयपुर-39

फोन: +911412946353, 9414072893, 9414052453, 9414066864

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय साहजी साहब

स्व. श्री नन्द किशोर जी जैन

(भूतपूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा जयपुर)

के दिनांक 13 अक्टूबर 2020 को
आकस्मिक देवलोक गमन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए
वीर प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

श्रद्धावनत

मोहनलाल जैन
आदेश जैन-अमिता जैन
(नूतन)
अमरीश जैन-मन्जू जैन
आदित्य जैन-विशाखा जैन
हनी जैन
ऋषभ जैन
आयुषी जैन

महेश चन्द जैन
सुनीता जैन
दिपांशु-प्रीति जैन

प्रतिष्ठान :
नूतन एण्ड कम्पनी
मोहन एण्ड संस
आगरा

आदेश जैन
नारायण टॉवर, फ्लेट नं. 405, संजय पैलेस, आगरा-28002

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

हमारे पूज्यनीय

स्व. श्री नन्द किशोर जी जैन

(से.नि. प्रशासनिक अधिकारी)

(भूतपूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा जयपुर)

के दिनांक 13 अक्टूबर 2020 को
आकस्मिक देवलोक गमन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए
वीर प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
सुधीर-रेनू
(IFS)
विपिन-बीना
(Gemcentre) (MHS)
साधना धर्मपत्नी श्री अरूण

पौत्र, पौत्री :
सौरभ, राहुल, नैंसी

पौत्री-पौत्री दामाद :
स्वाति-हितेष

पुत्री-दामाद :
सुधा-राजेश

नवासे :
मनीष-मोनिका
प्रशांत-प्रियंका
(ग्वालियर)

निवास

एस-37, वसुंधरा कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर, मो.: 9414068657, 9929777779

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री मनमोहन जी जैन
(पुण्यतिथि : 25.10.2014)

स्व. श्रीमती शान्ती देवी जी जैन
(पुण्यतिथि : 20.10.2019)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र का स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पौत्री-दामाद :
नेहा-राहुल
यामिनी-चिराग
नवासी :
सानवी, मीराया, दृश्या

पुत्र-पुत्रवधु :
उमेश-ममता
एवं
समस्त बरवासिया परिवार

भाई :
रिखबचन्द
बहन-बहनोई :
त्रिशला
चन्द्रप्रभा-सुमेरचन्द

FIRM
You Kay Distributors
Distributors for Alwar

GALA | SIGNORAWARE | ACE (GLAIR) | KOHE (KANGARO) | PEARL PET

111, M.G. Market Road No. 2, Market, Alwar
Mob.: 9413303581 • email : youkaydistributors@gmail.com

निवास : 61, चेतन एन्क्लेव फेज-प्रथम, जयपुर रोड, अलवर, निवास : 0144-4901826

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सतीश चन्द्र जी जैन

हम सभी परिजन आपके उच्च विचारों व आदर्शों को अपने जीवन में उतारने को सदैव प्रयासरत है तथा आपको सदैव श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती उषा जैन (धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधू :
सत्येन्द्र जैन-श्वेता जैन
भूषण जैन-शिखा जैन
नमित (पौत्र)
अनुरा (पौत्री)
अबीर (पौत्र)

पुत्री-दामाद :
सुकृता जैन-राजीव जैन
सुवृता जैन-विजय जैन
अलका जैन-सतीश चन्द्र जैन

भाई-भाभी :
भागचन्द जैन-वीर बाला जैन
पवन जैन-अलका जैन

बहन-बहनोई :
प्रतिभा जैन
प्रदीप जैन
रेनू जैन

शिवानी, विधि, शुभम, ईशान, संभव (दोहती-दोहते)

प्रतिष्ठान

दिग्विजय सेंसर्स, अजमेर
492/34 कोकिल कुंज,
पाल बीछला, अजमेर
फोन : 0145-2433238
मो. 9414003138

एस. बी. एन्स्ट्रूमेंट, आगरा
10/4 पुष्पांजलि एन्क्लेव, फेस-I,
खतैना रोड, लोहा मंडी, आगरा
फोन : 0562-2811585
मो. 9412261724

हेपिटाइटिस-बी (Hepatitis-B) इन्फेक्शन

विश्व के लगभग 3.4 प्रतिशत अथवा 240 मिलियन जनसंख्या हेपिटाइटिस–बी से दीर्घकालिक (Chronic) रूप से संक्रमित है। भारत में इसका प्रसार (Prevalence) 2 से 8% है। भारत में हेपेटाइटिस–बी का इन्फेक्शन पिछले कुछ वर्षों से बढ़ रहा है। हेपिटाइटिस–बी इनफेक्शन की जांच एचबीएस एंटीजन (HbSAg) सामान्यतः ब्लड डोनेशन के वक्त, प्रेगनेंसी के दौरान एवं किसी भी ऑपरेशन से पहले की जाती है।

1. हेपेटाइटिस–बी इन्फेक्शन क्या है?

यह एक वायरल इंफेक्शन है, जो कि मनुष्य में ब्लड ट्रांसफ्यूजन, अनस्टेरलाइज्ड सुई द्वारा इंजेक्शन लगाने से, मां से बच्चे में गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान तथा सेक्सुअल रूट से फैलता है, यानी संक्रमित (Infected) मरीजों के ब्लड से संपर्क में आने पर यह इंफेक्शन होता है।

2. हेपेटाइटिस–बी इंफेक्शन के क्या लक्षण है?

यह इंफेक्शन दो तरह से प्रकट होता है– तीव्र (Acute) एवं दीर्घकालिक (Chronic)

Acute (तीव्र) इन्फेक्शन– इसमें मरीजों को पीलिया, हल्का बुखार, भूख बंद होना एवं उल्टी होना इत्यादि लक्षण होते हैं। यह इन्फेक्शन अधिकतर सिंप्टोमेटिक इलाज से 15–20 दिन में ठीक हो जाता है। लेकिन कुछ मरीजों में लिवर फैलियर हो जाता है, जिससे मरीज की मृत्यु हो सकती है अथवा लिवर ट्रांसप्लांटेशन की जरूरत पड़ती है। हालांकि वयस्क मरीजों में 95 प्रतिशत तक यह पूर्ण रूप से ठीक हो जाता है एवं इंफेक्शन शरीर से खत्म हो जाता है। यदि इन्फेक्शन बच्चों में होता है तो 95% बच्चों में दीर्घकालिक इन्फेक्शन के रूप में रह सकता है।

Chronic (दीर्घकालिक) इन्फेक्शन– शरीर में आजीवन रहता है। दीर्घकालिक इन्फेक्शन निष्क्रिय से सक्रिय अवस्थाओं में रहता है। सक्रिय रहने पर यह लिवर को डैमेज करता है तथा लिवर सिरोसिस एवं लिवर कैंसर होने की संभावना रहती है।

3. किन–किन लोगों को हेपिटाइटिस–बी की जांच करवानी चाहिए?

गर्भावस्था के दौरान, शराब (Alcohol) एवं अन्य नशा करने वाले लोग, लिवर की बीमारी वाले मरीजों में, कैंसर कीमोथेरेपी लेने वाले मरीजों में, डायलिसिस वाले मरीजों में, हेल्थ केयर वर्कर, हेपेटाइटिस–बी पॉजिटिव मदर से होने वाले बच्चों में और उन लोगों को जिनके परिवार में पहले से ही कोई व्यक्ति हेपिटाइटिस–बी पॉजिटिव है।

4. संक्रमित व्यक्ति से दूसरे लोगों में इंफेक्शन को फैलने से कैसे रोका जाए?

पति–पत्नी एवं परिवार में रहने वाले सभी लोगों को हेपेटाइटिस–बी के टीके लगवाने चाहिए, टूथब्रश और रेजर को शेयर नहीं करना चाहिए, मरीज के घाव को ढक कर रखना चाहिए, मरीज को ब्लड और अंग दान नहीं करना चाहिए एवं मरीज के ब्लड के संपर्क में आने से बचना चाहिए।

लेकिन हेपेटाइटिस–बी से संक्रमित व्यक्ति सभी गतिविधियों में जैसे खेलकूद, नौकरी इत्यादि में भाग ले सकता है। खाना और बर्तन शेयर कर सकता है। बच्चे स्कूल में अन्य सभी बच्चों के साथ अध्ययन कर सकते हैं।

5. दीर्घकालिक (Chronic) इनफेक्शन का इलाज कैसे किया जाता है?

सभी संक्रमित व्यक्तियों को इलाज की जरूरत नहीं रहती है या वर्षों तक इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ती है। लेकिन इन व्यक्तियों को नियमित रूप से 3–6 महीने में अपनी लिवर संबंधी जांच करवानी चाहिए और जब यह इन्फेक्शन लिवर डैमेज करता है तो इलाज के लिए दवाई दी जाती है एवं इंफेक्शन को कंट्रोल किया जाता है, जिससे लिवर डैमेज ना हो। ईलाज कई वर्षों तक चलता है, कई बार आजीवन लेना पड़ता है।

–डॉ. मुकेश जैन
सहायक आचार्य, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग,
सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज जयपुर

शोक संवेदना

श्री पदम चंद जी जैन पुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल जी जैन पंसारी मौजपुर वाले हाल निवासी अलवर गेट, अजमेर का स्वर्गवास दिनांक 3 मार्च 2020 को हो गया। आप सरल स्वभाव, मिलनसार, धार्मिक, मृदुभाषी एवं सदैव परमार्थ में लीन तपस्वी की तरह उच्च विचार वाले अच्छे व्यक्तित्व के धनी थे।

श्री रमेशचंद जी जैन, महतौली वाले (से.नि. तहसीलदार) सोडाला जयपुर का स्वर्गवास दिनांक 19 सितंबर 2020 को हो गया। आप सरल स्वभावी, मिलनसार, धार्मिक, मृदुभाषी थे।

श्री विजय कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री बाबूलाल जैन (अरूआ वाले) का स्वर्गवास दि. 14 सितंबर 2020 को हो गया। आप सरल स्वभावी, मिलनसार, धार्मिक, मृदुभाषी थे।

श्री रमेश चन्द जी जैन निवासी मेहन्दीपुर बालाजी, तह. सिकराय, जिला दौसा का स्वर्गवास दि. 8 सितंबर 2020 को हो गया। आप सरल स्वभावी, मिलनसार, धार्मिक, मृदुभाषी थे।

श्री किन्ना जी जैन धर्मपत्नी श्री रमेश चन्द जैन (पत्रकार) दांतिया, खेड़ली (अलवर) का स्वर्गवास दि. 2 सितंबर 2020 को हो गया। आप सरल हृदयी व धार्मिक महिला थीं।

अ.भा.प. जैन महासभा वीर प्रभु से उपरोक्त आत्माओं को शान्ति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना व्यक्त करती है।

आओ पेड़ लगाए हम

आओ पेड़ लगाए हम, धरती को स्वर्ग बनाएं हम,
आओ सुरभित– मुखरित पर्यावरण बनाएं हम।

पेड़ हमें देते है जीवन, हरियाली से बनता उपवन,
पेड़ों को कटने से बचाए, वायु को शुद्ध बनाएं हम।

सरिता पानी देती हमको, सबकी प्यास बुझाती है,
कचरादान बनने से रोके, इसको स्वच्छ बनाएं हम।

निर्झर बहने दे गिरी से, भूधर से हाथ मिलाए हम,
आओ पेड़ लगाए हम, धरती को स्वर्ग बनाये हम।

जीव, जंतु जितने सबको जीने का अधिकार मिला,
चिड़िया चहके, मोर नाचे, कोयल के संग गाएं हम।

घनघोर घटाएं छाए तब नभ का ग्वाला हाथ हिलाए,
लुक छुप, लुक छुप और आंख मिचोनी खेले हम।

गो धूलि बेला के नव संगम से हाथ मिलाए हम,
आओ पेड़ लगाए हम, धरती को स्वर्ग बनाये हम।

पंच तत्व से बनी प्रकृति इससे ही बनी है ये काया,
दोनों में सामंजस्य जरूरी इक दूजे के पूरक हम।

स्वार्थ लिप्सा में मानव ने मां को खंजर भोंक दिया,
गलती हमसे हुई है ऐसी कुदरत से भिड़ बैठे हम।

जिसका फल हमने पाया, अपनी भूल सुधारे हम,
आओ पेड़ लगाए हम धरती को स्वर्ग बनाये हम।

अपना प्यार लुटा कर हम वसुधा का सम्मान करे,
जीवनदायिनी शक्ति को दिल से प्रणाम करे हम।

पर्यावरण सुरभित हो, देता जीवों को नव जीवन,
मुखरित हो कहता प्रकृति से रिश्ते बनाएं हम।

जीवन पावन बनाएं, प्रकृति से हाथ मिलाए हम,
आओ पेड़ लगाए हम, धरती को स्वर्ग बनाये हम।

–सुनीता जैन 'सुनीति'
व्याख्याता, भरतपुर

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता तो इससे यह नहीं समझ लेना चाहिए कि उसके भले–बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गए। कर्मफल एक ऐसा अमिट तथ्य है कि जो आज नहीं तो कल भोगना पड़ेगा।

कभी–कभी इन परिणामों में देर इसलिए होती है कि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा करना चाहता है कि व्यक्ति अपने कर्तव्य धर्म को समझ सकने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक व बुद्धि संचित कर सका है या नहीं। हमारे शास्त्रों में संचित कर्म का उल्लेख किया गया है। इसका मतलब यही है कि किसी व्यक्ति के पूर्व जन्म के कर्मों का फल उसे अगले जीवन में भुगतना होता है। इसीलिए हमारे यहां पुनर्जन्म की संकल्पना को विशेष महत्व दिया गया है।

यदि हमें अपने कर्मों का फल इस जीवन में नहीं मिलता अथवा बुरे कर्मों का फल हमें नहीं भुगतना पड़ता तो इसका मतलब यह नहीं है कि ईश्वर ने हमें क्षमा कर दिया। कार्य और कारण के नियम से न केवल प्रकृति बल्कि जड़ और चेतन जगत जिसमें मानव भी शामिल है, बंधा हुआ है। इससे कोई बच नहीं सकता। भगवान ने मनुष्य को भला या बुरा करने की स्वतंत्रता इसलिए प्रदान की है कि वह अपने विवेक को विकसित करके भले–बुरे का अंतर करना सीखे। तभी वह शोक–संतापों से बचने में और सत्परिणामों का आनंद लेने के लिए स्वत अपना पथ निर्माण कर सकने में समर्थ हो सकेगा। ईश्वर चाहता है कि व्यक्ति अपनी स्वतंत्र चेतना का विकास करे और विकास के क्रम से आगे बढ़ता हुआ पूर्णता का लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करे। यदि ईश्वर को यह प्रतीत होता कि बुद्धिमान बनाया गया मनुष्य पशुओं जितना मूर्ख ही बना रहेगा तो शायद उसने दंड के बल पर चलाने की व्यवस्था उसके लिए भी सोची होती। तब झूठ बोलते ही जीभ पर छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने, कुविचार आते ही सिरदर्द होने जैसे दंड मिलने की व्यवस्था बनी होती। तब कोई मनुष्य दुष्कर्म करने की हिम्मत नहीं करता, लेकिन ऐसी स्थिति में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक, बुद्धि और आंतरिक महानता के विकसित होने का अवसर ही नहीं आता। इस प्रकार आत्मविकास के बगैर पूर्णता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकने की दिशा में मनुष्य प्रगति कर ही नहीं सकता था।

–आयुष जैन

भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारे परम पूज्य स्व. श्री लालचन्द जी जैन एवं स्व. श्रीमती भगवान देवी जी जैन की पुण्य स्मृति पर हम सभी परिजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

स्व. श्री लालचन्द जी जैन
(पुण्यतिथि : 29.11.2005)

स्व. श्रीमती भगवान देवी जी जैन
(पुण्यतिथि : 14.10.2011)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद प्रकाश जैन-शशि जैन
स्वतन्त्र कुमार जैन-अनिता जैन
जय प्रकाश जैन-रेखा जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-साधना जैन

पौत्र :
आलोक जैन, तुषार जैन
हिमांशु जैन, अनुराग जैन

पुत्री-दामाद :
सुशीला जैन-अनिल जैन
स्नेहलता जैन-दिनेश जैन
अन्जना जैन-मुकेश जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
वन्दना जैन-विक्रम जैन
नीलम जैन-अमित जैन
क्षमा जैन-सौरभ जैन
कोमल जैन-निशान्त जैन

: निवास :
ई-617, वैशाली नगर, जयपुर
91/16, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9530026423, 9079910858
प्लाट नं. 14, गोविन्द नगर (पूर्व), आमेर रोड, जयपुर

हमारे प्रेरणा स्त्रोत एवं मार्गदर्शक परम पूज्य

स्व. श्री रघुवर दयाल जैन एवं श्रीमती पचंम देवी जैन

की पुण्य स्मृति पर हम सभी परिवार के सदस्य अश्रुपूरित नेत्रों से सादर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए परमपिता परमात्मा से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

स्व. श्री रघुवर दयाल जैन
(28.09.1992)

स्व. श्रीमती पचंम देवी जैन
(23.09.2009)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु : ओमप्रकाश जैन-ऊषा जैन, सुभाष चन्द जैन-आशा जैन, सुरेश चन्द जैन-विजय जैन, सतीश चन्द जैन-कुसुम लता जैन, अनिल कुमार जैन-आशा जैन, सुशील कुमार जैन-सरिता जैन
दामाद : किशन कुमार जैन **एवं समस्त *पौत्र-पौत्रवधु, पौत्री-पौत्री दामाद, परपौत्र, परपौत्री और द्यौत्रे-द्यौत्री***

निवास : **डब्ल्यू जेड- 201, पालम गाँव, नई दिल्ली-110045**

Vaibhav Jain
GSTIN : 07AAUFR9500N1ZF

8826860179
9711664728

VAIBHAV TRADERS

Spl. in : Men & Girls Wear

Manufacturers & Wholesalers

• LOWER • KURTI • GIRLS LOWER • SHORTS • LEGGING
• JAGGING/PANT • T-SHIRTS • PLAZZO • GIRLS TOP

PALAM, NEW DELHI-110045
www.vaibhavtrader.com • Email : vaibhav.trader23@gmail.com

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
**Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers,
Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures,
RSJ Poles & GI Earthing Strips.**

**FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND
GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS,
TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT**

**Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year**

Vijay Transmission PVT. LTD.

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती राजकुमारी जी जैन

(08.10.1954 - 25.10.2019)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना, प्रेरणा दायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। हम सभी परिवारजन शत-शत नमन करते हुए अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

रिखब चन्द जैन
(पति)

जेठ :
प्रकाश चन्द जैन
देवर-देवरानी :
अशोक जैन-राखी जैन
नन्द-नन्दोई :
इन्द्रवती जैन-घासीलाल जैन
मंजू जैन-भोजराज जैन
विमलेश जैन-राजकुमार जैन
प्रभा जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
रोबिन जैन-नेहा जैन
पुत्री-दामाद :
सौम्या जैन-गौरव जैन
(अमेरिका)
धेवता : पलवित जैन

पिता :
सुमेर चन्द जैन 'भगत जी'
(आगरा)
भाई-भाभी :
मुकेश जैन-रविबाला जैन
दिनेश जैन-कृष्णा जैन
बहिन-बहनोई :
ममता जैन-नलिन कुमार जैन

भतीजे-भतीजे वधु :
आशीष कुमार-पूनम जैन, मनीष जैन-कल्पना जैन, अजय जैन-दीपिका जैन, गौरव जैन

निवास : 93, कला कुंज कॉलोनी, मारूति स्टेट के पास, शाहगंज, बोदला रोड, आगरा, मो.: 9997586176, 8077645633

पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन

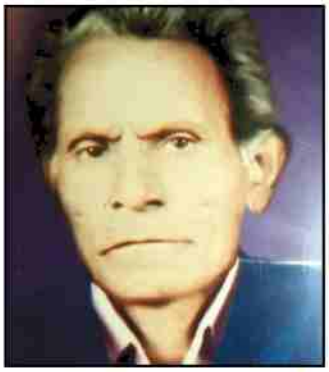

स्व. श्री भोलानाथ जी जैन
पुण्यतिथि : 02.11.2004

स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जी जैन
पुण्यतिथि : 12.10.2018

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावन एवं
प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
राजेन्द्र प्रसाद जैन-सरोज जैन
बीरेन्द्र कुमार जैन-शोभा जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
मनीष जैन-राखी जैन
पौत्र, पौत्री :
विनीत, आशीष,
मेघा, श्रेया
पड़पौत्री :
मानवी

पुत्री-दामाद :
गीता जैन-बसन्त कुमार जैन
सुनीता जैन-दिनेश कुमार जैन
पौत्री-दामाद :
आकांक्षा-चेतन जैन
दौहते-दौहतेवधु :
टिंकू-मोनिका
राजकुमार-वन्दना
मनी जैन
दौहती-दौहती दामाद :
प्रियंका-सुमित जैन
सोनल-आदित्य जैन

निवास :
जैन कॉलोनी, वार्ड नं. 6, खेरली
11-ए, श्रीनाथ नगर, प्रताप नगर, सेक्टर 7 के पास, जयपुर

प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन

स्व. श्री रमेश चन्द्र जी जैन

(अंगूठी, आगरा)

(स्वर्गवास : 8.11.2019)

स्व. श्रीमती सावित्री देवी जी जैन

(स्वर्गवास : 17.10.2019)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए भगवान वीर प्रभु से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

भ्राता-भ्रातावधु :

हरिशचन्द्र जैन-शकुन्तला जैन *(आगरा)*

शांति स्वरूप जैन-कमला जैन *(भिलाई)*

सुभाष चन्द्र जैन-शोभा जैन *(दिल्ली)*

बहन-बहनोई :

ललिता जैन-स्व. श्री पदम चन्द जैन *(जयपुर)*

लक्ष्मी देवी जैन-स्व. श्री जिनेश चन्द्र जैन *(आगरा)*

भतीजे-भतीजे वधु :

राकेश जैन-रक्षा जैन *(आगरा)*

राजीव जैन-रेणू जैन *(आगरा)*

पुनीत जैन-गीता जैन *(भिलाई)*

सचिन जैन-भारती जैन *(दिल्ली)*

पुत्र-पुत्रवधु :

राजेश जैन-वर्षा जैन

पौत्र :

अक्षय जैन, लक्ष्य जैन

पुत्री-दामाद :

अमीता जैन-अजित कुमार जैन *(हिण्डौन सिटी)*

स्व. श्रीमती अनीता जैन-डॉ. अशोक जैन *(भोपाल)*

धेवते-धेवते वधु :

अपार जैन-रनिता जैन *(भोपाल)*

अरिहन्त जैन-मोना जैन (हिण्डौन)

अनन्त जैन-ईला जैन (जयपुर)

निवास : 312, जयपुर हाउस, आगरा

सी-7/176, एस.डी.ए. हौज खास, न्यू दिल्ली

मोबाईल : 9891408728, 8800094424

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **शालु जैन** पुत्री श्री महेश चंद जैन, जन्मतिथि 13.05.1992 (11:30 बजे), कद– 5'–2'', शिक्षा– एम.ए., बी.एड., गोत्र : स्वयं– नोलखिया, मामा– कोटिया, सम्पर्क : बोदला, सेक्टर 4, जिला आगरा, मो.: 9058974257 *(सितम्बर)*

★ **विधि जैन** पुत्री श्री अनिल जैन, जन्मतिथि 2.11.1993 (प्रातः 7:40, जयपुर), कद 5'–1'', शिक्षा– बी.ई. (ई.सी.), जॉब– टी.सी.एस. पुणे, वार्षिक आय 4.80 लाख, गोत्र : स्वयं– चांदपुरिया, मामा– नागेश्वरिया, संपर्क : 11–बी, ओल्ड पलासिया, 303, सुसंपदा अपार्टमेंट, इंदौर–452001, मो.: 9926063720, फोन 0731–4986515 *(सितंबर)*

★ **प्रगति जैन** (मांगलिक) पुत्री श्री सुशील कुमार जैन, जन्मतिथि 26 मार्च 1994 (5:36 बजे), कद 5 फीट, शिक्षा– बी.टेक., कम्प्यूटर साईन्स, जे.ई.सी.आर.सी. जयपुर, जॉब– आफिसर स्केल–1, बैंक आफॅ बड़ौदा, गौत्र : स्वयं– राजोरिया, मामा– बहेतरिया, सम्पर्क : 119/69, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर, मोबाईल : 9829671599, व्हाट्सएप : 8233091599 *(अक्टूबर)*

★ **Shaifali Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 11.08.1994 (at 10:20 PM, Agra), Height- 5'-7", Education- B.Tech (CS), Occupation- Software Engineer, Gotra : Self- Barwasiya, Mama- Gwalriya, Contant : Plot No. 6, Bodla Bichpuri Road, Agra, Mob.: 9897454782, 9259222342 *(Aug.)*

★ **Shweta Jain** D/o Late Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 25.07.1993 (at 06:58 pm, Alwar), Height- 5'-3.5", Fair and Smart, Education- B.Tech (NIT Jalandhar), M.Tech (NIT Surathkal), Working in Ford Ahmedabad, Income- 10 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Nangeswariya, Contact : Poornima Jain, Alwar, Mob.: 7597738470, Email : scjpar@gmail.com *(Aug.)*

★ **Deepika Jain** D/o Late Sh. Jagdish Chand Jain, DoB 10.02.1991 (12:05 pm, Gangapur City), Height- 5'-4", Education- Graduate, Pursuing B.Lib., Gotra : Self- Nagesuriya, Mama- Rajoriya, Contact : G-1, Prempush Colony, Ridhi Shidhi, Jaipur, Mob.: 9460124713, 7303692848, 9983671716 *(Aug.)*

★ **Deepti Jain** D/o Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB 07.08.1993 (at 5:23 PM, Shivpuri M.P.), Height- 5'-3", Education- B.E. (CS), Job- Software Developer in AMDOCS Ltd. Gurgaon, Income 8.5 LPA, Gotra : Self- Mahila, Mama- Rajoriya, Contact : M.K. Jain (LIC), Flat No. 202, Gokuldham Niwas, Udaji ki Payga, Janakganj, Lashkar, Gwalior, Mob.: 9329237905, 7067810928 *(Aug.)*

★ **Pooja Jain** D/o Sh. Kamal Kishor Jain, DoB 01.08.1991, Height 5'-3", Education- M.A. (Hindi, Political Science), B.Ed., Gotra : Self- Daduriya, Mama- Nageshriya, Contact : 14, Dronpuri Singh Marg, Jaipur, Mob.: 9461588831, 9314916286 *(Aug.)*

★ **Sonakshi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Yogesh Kumar Jain, DoB 27.03.1993 (at 7:04 am, Agra), Height- 5'-4", Education- B.Tech. in Electrical and Electronics from Shiv Nadar University and MBA in Finance from USMS, Currently working with Tata Power Delhi Distribution Limited as an Asst. Manager, Package 9 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Chaudhhary, Contact : 7060928794, 9634081372 *(Aug.)*

★ **Archana Jain** D/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 11.11.1989 (at Alwar), Height 5 Feet, Education- M.A. (Hindi), B.Ed., Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : Sh. Sumer Chand Sudhir Jain, Plot No. 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Distt. Alwar-301001 (Raj.), Mob.: 9982154002, 9982993200 *(Aug.)*

★ **Ankita Jain** D/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 02.06.1995 (at 1:45 PM, Palam, Delhi), Height- 5'-1", Education- B.Tech (EC) from Agra, Job- SAP BPC Consultant, Gotra : Self- Barwasia, Mama- Lohkarodiya, Contact : FLAT-8, Jagan Plaza, Near PNB Bank, Belanganj, Agra, Mob.: 9457001046, 7895576347, Email : jainshub64@gmail.com *(Sep.)*

★ **Anamika Jain,** DoB 04.10.1995 (at 1:30 PM, Kota), Education- MA in English, Contact : Ravindra Kumar Jain, 202, Manak Bhawan, Janakpuri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409 *(Sep.)*

★ **Namrata Jain** D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 10.07.1995 (at Bharatpur), Height- 5'-7", Education B.Tech. (EC), Gotra : Self-Chandpuriya, Mama- Chorbambar, Contact : P-31, Shyam Enclave, Sirsi Road, Jaipur, Mob.: 9001067635, 7300322058 *(Sep.)*

★ **Jagrati Jain** D/o Sh. Hemant Jain, DoB 02.05.1994 (at 12:55 AM, Agra), Height 5'-2", Color Fare, Education BA & Polytechnic in Textile from Dayalbag University, Agra, Self employed, Earning 3.6 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Rajoriya, Contact : 20/97, Pili Kothi, Dhuliyaganj, Agra-3, Mob.: 9058622421, 9219984408 *(Sep.)*

★ **Soumya Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 01.09.1993 (at 5:27 am, Alwar), Height- 5'-3", Fair Color, Education- M.Com. (ABST), B.Ed., Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Maimuda, Contact : 526, Lajpat Nagar, Scheme No. 2, Alwar-301001, Mob.: 8005710768, 9461192798 *(Sep.)*

★ **Priya Jain** D/o Sh. Anil Jain, DoB 26.02.1996, Height 5'-2", Fair Colour, Education- B.Sc., Diploma in Accounting, Occupation- Business (GST Account Training Sansthan), Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Lohkarodiya, Contact : B-33, Janakpuri, New Sahaganj, Agra, Mob.: 9897012342 *(Sep.)*

★ **Priyanka Jain** (Manglik, Divorced) D/o Sh. Saral Kumar Jain, DoB 06.08.1985 (at Aligarh), Height 5'-2", Fair Colour, Education- B.A., Gotra : Salf-Jewaiya, Mama- Sankhiya, Contact : Jain Street, Chippite, Aligarh, Mob.: 6395288036, 9219564451 *(Sep.)*

★ **Priyanka Jain** D/o Sh. Lokesh Kumar Jain, DoB 28.05.1996 (at 10:00 am, Alwar), Height- 155 cm., Education- MBA, Gotra : Self- Chaudbambar, Mama- Kotiya, Contact : Sh. Lokesh Kumar Jain, Jain Petrol Pump, Laxmangarh, Dist. Alwar, Mob.: 9414812360, 9887354080, Email : nitesh19jain@gmail.com *(Oct.)*

★ **Bhawna Jain** D/o Sh. Mukesh Kumar Jain, DoB 24.09.1993 (at 6:05 am, Bharatpur), Height- 5'-3.5:, Education- Chartered Accountant, Service- CITI Bank, Mumbai , Gotra : Self- Kotiya, Mama- Gindodia, Contact : Q.No. RE/Type-III/1141, Railway Colony, Kota Junction *(Oct.)*

★ **Shweta Jain** (Manglik) D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 25.06.1993 (at 10:30 am, Kherli), Height 5'-4", Education- M.A. (Geography) & B.Ed., Gotra : Self-Kotiya, Mama- Rajoriya, Contact : Jain Colony, Ward No. 2, Kherli, Alwar, Mob.: 8058986363, 8171662074 *(Oct.)*

★ **Amisha Jain** D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 31.12.1995 (at 6:15 pm, Agra), Height 5'-2", Education- MBA (Finance) from DEI, Agra, Occupation- Working as Deputy Manager in Bank of Maharashtra (Govt.) Mumbai, Gotra : Self- Baroliya, Mama-Behteriya, Contact : 2, Mahendra Enclave, Nehru Nagar, Agra, Mob.: 9412158607 *(Oct.)*

★ **Srishti Jain** D/o Sh. Sudhir Kumar Jain, DoB 26.06.1991 (at 8:15pm, Aligarh,, U.P.), Height 5'-2", Wheatish Fair Slim, Education- B.Sc., B.Ed. (TET Cleared), Teacher Pvt. School, Rs. 10,000/- P.M., Gotra : Self-Jevaria, Mama- Gangerwal, Contact : 35, Jain Street, Palki Khana, Aligarh-202001 (U.P.), Mob.: 8126067350, 9460023151, Email : jain.sajan@yahoo.co.in *(Oct.)*

★ **Yukta Jain** (Manglik) D/o Sh. Satyendra Kumar Jain, DoB 16.11.1993 (at 9:35 am, Agra), Height- 5ft., Education- M.Com., B.Ed., Profession- Teacher, Gotra :Self- Chaurbambar, Mama- Kotiya, Contact : H.No. 9, Vishv Karma Vatika, Shahganj Road, Bodla, Agra-282007, Mob.: 7520615933, 9410857876 *(Oct.)*

★ **Rachna Jain** (Manglik) D/o Sh. Virender Jain, DoB 19.09.1993 (at 9:30 am, Gangapur), Height- 5'-4", Education- B.Tech, Occupation- Software Developer, Ciena ,Gurgaon, Gotra : Self- Barolia, Mama- Choudhary, Contact : 2355, Air Force Road, NIT Faridabad, Haryana, Mob.: 9582262622, 9953180616, Email : rachna.jain2355@gmail.com *(Oct.)*

★ **Pratibha Jain** D/o Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 11.10.1995 (at 3:25 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- B.Tech, Occupation- Electro Technical Officer in Maersk Line Shipping Corporation, Gotra : Self- Kotia, Mama- Bayaniya, Contact : 35/124, Rajat Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9414386658, 7976290847, 0141-2394873, 9460723972 *(Oct.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **विवेक जैन** पुत्र स्व. श्री विनोद कुमार जैन, दादा– श्री शिवचरण लाल जैन (मण्डावर वाले), जन्मतिथि 27.08.1993 (सायं 5:55 बजे, मण्डावर), कद– 5'–5'', शिक्षा– बी. कॉम., व्यवसाय– थोक व्यापारी दड़ा मार्केट, जौहरी बाजार, आय– लाखों में प्रति माह, गोत्र : स्वयं– कोटिया, मामा– सैंगरवासिया, संपर्क : 78/71, अरावली मार्ग, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9352256629, 9414067972 *(अगस्त)*

★ **हिमांशु जैन** पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार जैन (कानपुर), जन्मतिथि 29.05.1991 (रात्रि 11:55 बजे), कद– 5'–9'', शिक्षा – बी.ए. राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर, व्यवसाय : इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स होलसेल कार्य जयपुर, गोत्र : स्वयं– बाकेवाले, मामा– बड़ेरिया, सम्पर्क : 43/169–बी, चौक सर्राफा बाजार, कानपुर मो.: 9887369510, 9554957467 *(अगस्त)*

★ **डॉ. राजेश जैन** पुत्र श्री धर्मचंद जैन (इरनिया वाले, हाल धोलका गुजरात), जन्मतिथि 26 सितंबर 1995, कद– 5'–11'', शिक्षा– बी.डी.एस., व्यवसाय– डेंटल क्लिनिक, गौत्रः स्वयं– नंगेसुरीया, मामा– धाती, सम्पर्क : 9724066832, 9377280524 *(सितंबर)*

★ **अदीप जैन** पुत्र श्री दीपक जैन, जन्मतिथि 03.09.1991 (रात्रि 8:48, राजगढ़), कद 5'–11'', शिक्षा– बी.ई. (मैकेनिकल), एमबीए मार्केटिंग (पुणे), नौकरी– असिस्टेंट

मैनेजर रिलायंस हेड ऑफिस मुम्बई, वार्षिक आय 7.50 लाख, गोत्र : स्वयं– चौधरिया, मामा– राजोरिया, संपर्क : दीपक जैन, जैन मेडिकल एजेंसी, जय स्तंभ के सामने, राजगढ़ (ब्यावरा) मध्य प्रदेश, मो.: 93009600 51, 9425334417 *(सितम्बर)*

★ **अंकित कुमार जैन** (तलाकशुदा) पुत्र श्री हेमराज जैन, जन्मतिथि 21.10.1989 (प्रातः 4 बजे, हिंडौन सिटी, जिला करौली), कद– 5'–2'', शिक्षा– जीएनएम नर्सिंग, पोस्ट– नर्सिंग ऑफिसर, मासिक वेतन 30 हजार, गोत्र : स्वयं– बड़वासिया, मामा– वहत्तरिया, सम्पर्क : मण्डावरा रोड, रेलवे फाटक के पास, हिंडौन सिटी, जिला करौली, मो.: 9460884203 2, 9461072434, 9602496409 *(सितम्बर)*

★ **सत्यम जैन** पुत्र श्री भोला पंसारी, कद– 5'–5'', शिक्षा– बी.बी.ए., एम.बी.ए., व्यवसाय– होलसेल एवं रिटेल मेडिकल स्टोर भोपाल, आय– 12 लाख लगभग, गोत्र : स्वयं– नंगेसुरिया, मामा– डंगया, सम्पर्क : भोला पंसारी, जौरा, जिला मुरैना, मो.: 9425757414 *(अक्टूबर)*

★ **Divesh Jain** (Manglik) S/o Sh. Gian Chand Jain, DoB 29.06.1994 (at 6:15 pm), Height 5'-3", Education- Post Graduate (MCA), IGNOU, Occupation- Senior IT Engineer at Taj Hotel, Delhi, Gotra : Self- Mimunda, Mama- Vijeshwari, Contact : RZE-58, Raj Nagar Part II, Dada Dev Road, Palam, New Delhi-110077, Mob.: 9891394006, 9718869534 *(Aug.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 26.05.1993, Height 5'-6", Education- B.Tech (Electronics and Communication Engeeringing from IET Alwar), Occupation- Branch Co-operation and Service Manager (Assit. Branch Manager) AU Small Finance Bank, Calgiri Road, Malviya Nagar, Jaipur, Salary- 6 LPA, Gotra : Self- Aathvarshiya, Mama- Baroliya, Contact : (1) Village Post- Alipur, Teh.- Bhushawar, Distt. Bharatpur (Raj.), (2) 74-A, Rajendra Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur, Mob.: 9251269772, 8003275810, Email : rahulg.jain8@gmail.com *(Aug.)*

★ **Sheetal Kumar Jain** S/o Late Sh. Prakash Chand Jain, DoB 15.11.1992 (at Gangapur City), Height 5'-5", Education- M.Com, Occupation- Departmental Store, Income 3 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Chiliya, Contact : Nehar Road, Infront of Rewa Mill, Gangapur City, Mob.: 8385836241, 9024283356, 9829300745, Email : jsheetal89@gmail.com *(Aug.)*

★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Teekam Chand Jain, DoB 20.11.1990 (at 2:45 am, Mandawar (Dausa), Height 5'-9", Education- MA, M.Ed., Profession- 2nd Grade Teacher, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Boderiya, Contact : Deepesh Bawan, Street Beside Bohra Marriage Home, Kumher Road, Katra Nadbai, Bharatpur, Mob.: 8058221775, 8619640847 *(Aug.)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 03.09.1991 (at 1:30 AM, Delhi), Height 5'-7", Education- MBA and M.Com, Occupation- Finance Analyst in Sales Press Pvt. Ltd., Gotra : Self- Aameshwari, Mama- Maimunda, Package 3 LPA, Contact : WZ-1194, Palam Village, Near Dwarka, Sector-7, New Delhi-110045, Mob.: 9810512673, 8851219241 *(Aug.)*

★ **Ansul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 9:12 AM, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com., Occupation- Business (Readymade and Book Store), Gotra : Self- Salwadia, Mama- Maimuda, Contact : Midakur (Agra), Mob.: 9410006648, 8445463430 *(Aug.)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. Prawal Kumar Jain, DoB 22.01.1991 (at 1:03 PM, Mainpuri), Height- 5'-7", Education- B.Com., Occupation- Photostate, Multicolour Printing and All Types of Printing Works, Contact : 91/60, Saraogyan, Karhal Road, Mainpury (UP), Pin-2005001, Mob.: 8218887103, 9634425990 *(Aug.)*

★ **Ankit Jain** S/o Sh. R. K. Jain, DoB 24.06.1992 (at 8:45 AM, Agra), Height 5'-7", Education- MBA, Gotra : Self- Sarang, Mama- Kotia, Occupation- Girnar Self Education Service Pvt. Ltd. Gurugaon as Executive, Salary- 4 LPA, Contact : G-519, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412487579, 7983533361 *(Aug.)*

★ **Abhinav Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 07.06.1993 (at 5.45 pm, Karauli), Height 5'-6", Education- B.Tech. (CS), Occupation- Software Engineer at Marketing Mindz Pvt. Ltd. Jaipur, Incom- 2.5 Lakhs, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : Seth Godam, Karauli, or 264/49, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur, Mob.: 9460952470, 9461152595 *(Aug.)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Sheetal Kumar Jain Advocate, DoB 25.12.1990 (at 1:00 am, Agra), Height 5'-8", Education- B.Tech & PG Diploma in Banking, Occupation- Assistant Manager in Axis Bank, Income- 4.48 LPA, Gotra : Self- Bugala, Mama- Salavadia, Contact : House No. 150, Bhudara Bazar, Karauli, Rajasthan, Mob.: 9460913709, 9461455353, 9413886798, Email : adijain19@ gmail.com *(Aug.)*

★ **Neeraj Jain** S/o Late Sh. Jagdish Chand Jain, DoB 15.02.1993 (04:08 pm, Gangapur City), Height- 5'-10", Education- Post Graduate, Occupation Business Manager at Aavas Housing Finance Ltd., Income- 4.5 LPA, Gotra : Self- Nagesuriya, Mama- Rajoriya, Contact : G-1, Prempush Colony, Ridhi Shidhi, Jaipur, Mob.: 9460124713, 7303692848, 9983671716 *(Aug.)*

★ **Nikhil Jain** S/o Sh. Arun Jain, DoB 28.08.1990, Height- 5'-10", Education- BBA, MBA, Occupation- Business (Roto Printed Products and Iron Fabrication Unit), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Badbasiya, Contact : Deewan Ji Ka Bagh, Scheme No. 10 (B), Alwar-301001, Mob.: 9414017043, Email : arunjain.alw@gmail.com *(Aug.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Sheel Chand Jain, DoB 19.08.1990 (at 5:00 pm), Height 5'-9", Educational- M.Com. from IGNOU, Occupation- Working in Magic Auto Pvt. Ltd. (Maruti Authorised Dealership) as a Team Manager, Package 5.25 LPA, Gotra : Self- Mundare, Mama- Ved Varashtak, Contact : RZG-98-B, 1st Floor, Gali No. 6, Near Shyam Mandir, Rajnagar

Part-II, Palam Colony, New Delhi-110077, Mob.: 9718967990, 9911218537, Email : rrjain619@gmail.com *(Aug.)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. Rajendra Jain, DoB 06.03.1994 (at 12:39 pm, Morena), Height 5'-4", Education B.Sc., Occupation- Business, Income 8.40 LPA, Gotra : Self- Vedhre, Mama- Chandpuria, Contact : Rajendra Jain (Metal Merchant), Sarafa Bazar, Morena (M.P.), Mob.: 9074301610, 9425750554 *(Aug.)*

★ **Gourav Jain** S/o Sh. Bhagchand Jain, DoB 15.11.1991, Height 5'-8", Education- B.Com, MBA (Marketing), Occupation- Working with V5 Global Services Pvt. Ltd (Project- Lenovo Laptop), Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Mahatiya, Contact : Shree Anoop Electricals, Kathumar Road, Kherli, Alwar, Mob.: 8949119922, 9414796449 *(Aug.)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB 03.05.1990 (at 5:54 AM, Shivpuri M.P.), Height 5'-5", Education- PGDCA, Occupation- Self Business (Online Services) Firm: Shri Krishna Enterprises, Gwalior, Income 8 LPA, Gotra : Self- Mahila, Mama- Rajoriya Contact : M.K. Jain (LIC), Flat No. 202, Gokuldham Niwas, Udaji ki Payga, Janakganj, Lashkar, Gwalior, Mob.: 9329237905, 7067810928 *(Aug.)*

★ **CA. Akhlesh Jain,** DoB 26.09.1989, Education- Chartered Accountant, Occupation- Working in Airports Authority of India (PSU Under Central Govt.) Present Posting at Surat Airport (Gujarat), CTC 14 Lakhs, Gotra : Self- Aameshwariya, Mama- Chorbhamar, Contact : 1-D, Ram Vihar, Near Subodh Public School, Sanganer, Jaipur, Mob.: 8619357171, 9461210084 *(Aug.)*

★ **Sudhir Jain** S/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 17.03.1988 (at Alwar), Height 5'-11", Eduaction- M.Com., MBA, LLB, Occupation- Working in NBC Bearings, Jaipur (C.K. Birla Group), Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : Sh. Sumer Chand Jain, Plot No. 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Distt. Alwar-301001 (Raj.), Mob.: 9982154002 *(Aug.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain,DoB 08.11.1988 (at 11:17 pm, Jaipur), Height 5'-11", Education B.Com, M.Com, MBA (Finance), CA Final (pursing), Occupation- Working as Credit Manager in AU Small Finance Bank Ltd., Jaipur, Income 5.50 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Sangarwasi, Contact : B-262, Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Mob.: 9414044422, 9414775486, Email : maheshjn8@gmail.com *(Aug.)*

★ **Bhupesh Kumar Jain** S/o Sh. Vimal Chand Jain, DoB 17.09.1991 (at 4:55 am, Alwar), Height- 5'-8", Education- B.Tech (ECE), RS-CIT, Occupation- Junior Associate SBI Bank Bhavnagar, Gujarat, Gotra : Self- Mastang Dangiya Chaudhary, Mama- Baroliya, Contact : VPO Barodakan (Laxmangarh), Distt. Alwar-321607, Mob.: 9413585389, 9079754722 *(Aug.)*

★ **Aman Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 16.06.1994 (at Alwar), Height 5'-10", Education : B.Tech (Electronic & Communication) , Occupation- Working as a Designing Engineer A.K. System Engineers Pvt. Ltd. at Noida, Gotra : Self- Ambia, Mama- Borandangia, Contact : Deewan Chowk, Baderia Pari, Alwar-301001, Mob.: 9413909628, 6375132872 *(Aug.)*

★ **Ishan Jain** S/o Sh. Satyam Kumar Jain, DoB 24.11.1993 (at 3:00 pm, Alwar), Height- 5'-9", Education- B.Tech (E.C.), MBA, Occupation- Working as Sr. Logestice Executive in Zomato, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Kashmiriya, Contact : 4/158, Kala Kuan Housing Board, Alwar, Mob.: 9460600748, 9460290624, Email : ishanjain768@ gmail.com *(Sep.)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Makhanlal Jain, DoB 23.2.1993 (at 9:15 am, Hindaun), Height 5'-8", Education- B.Tech., Occupation- AnkTech Software Pvt. Ltd., Jaipur, Salary- 60,000 per month, Gotra : Self- Divariya, Mama- Nangesuriya, Contact : Karmchari Colony, Block-E, Hindaun City-322230, Mob.: 7597140603, Email : erdeepakjain1993@ gmail.com *(Sep.)*

★ **Anubhav Jain** S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 08.09.1992 (at 10:45 PM, Alwar), Height: 5'-7", Education: B.Tech, M.Tech, ICT Jaipur, Occupation: Senior Data Developer, Dunnhumby Gurugram, Package: 11 LPA, Gotra : Self- Janthuriya, Mama- Sagarwasiya, Contact : D-72, H.M.M Nagar (Alwar), Mob.: 9414367288 *(Sep.)*

★ **Ankur Jain** (Manglik) S/o Sh. Ramesh Chand Jain, DOB 31.07.1989 (6:50 pm, Agra), Height 5'-9", Education- Dipl. in Auto Eng., M.Sc., B.Ed., Occupation- Sr. Executive Technical Surveyor, General Insurance, Income- 4 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Sengarwasia, Contact : 9045216301, 9258065928 *(Sep.)*

★ **Tarun Jain,** DoB 02.05.1989 (at 09:05 AM, Gangapur City), Education B.Tech (C.S.), Profession- Self Business (Patanjali Store, Retails & Wholesale), Contact : Ravindra Kumar Jain, 202, Manak Bhawan, Janakpuri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409 *(Sep.)*

★ **Priyakansh Jain** S/o Late Sh. Pradeep Kumar Jain (Advocate), DoB 15.01.1993 (at 07:30 AM), Height 5'-11", Education BA, LLB (Hons.), Occupation- Asst. Manager Legal in Aavas Financiers Ltd., Surat, Package 4.5 LPA, Gotra : Self- Bhadwasi, Mama- Kotia, Contact : Mrs. Pramod Jain (Mother), 3, Civil Lines, Alwar, Mob.: 7742705601 *(Sep.)*

★ **Mukul Jain** S/o Sh. Rajendra Naulathiya, DoB 28.081992 (at Jaipur), Height 5'-10", Education- B.Tech. (Mechanical), Job- Sales Officer in BPCL (Bharat Petroleum) Govt. Job, Package- 20 LPA CTC, Gotra : Self- Naulathiya, Mama- Vilwal, Contact : 118/25, Jhalana Chhod, Mansarovar, Jaipur-302020, Mob.: 9829059148, 9828059148 *(Sep.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Nanak Chad Jain, DoB 02.11.1993 (at 1:20 AM, Kukthala), Education B.Com., Job- Accountant, Income 25,000/- p.m., Gotra : Self- Bderiya, Mama- Gindorabaks, Contact : 394, Runkata, Agra, Mob.: 8650635168, 9557511117 *(Sep.)*

★ **Akant Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 13.11.1988 (at 8:02 am, Alwar), Height 5'-8", Education- B.Tech. in Electronics and Communication

and MBA in Marketing and Finance, Working as Advisor Marketing in Rays Power Infra Pvt. Ltd. Jaipur, Package 8 LPA, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Maleshwari, Contact : Sh. Suresh Chand Jain, Jain Bhawan, Gali No. 11, Mohalla Darukutta, Road No.2, Alwar-301001, Mob.: 9414641566, Ph.: 0144-2345479, Email : prateek_liet1@yahoo.com *(Sep.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Chandra Shekhar Jain, DoB 12.8.994 (at 2 am), Height 5'-4", Education B.Com., Occupation- Business, Gotra : Self- Barvasiya, Mama- Baderiya, Contact : 43/209, Jain Gali, Sikandra, Agra, Mob.: 8958126285 *(Sep.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sushil Kumar Jain, DoB 24.07.1995, Height 5'-4", Education- B.A., G.N.M Diploma (Nursing Course), Occupation- Business (Subham Traders), Income- 6.5 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Chorbambar, Contact : Ward No. 2, Jain Colony, Kherli, Alwar, Mob.: 8058582212, 8079025058 *(Sep.)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Shesh Kumar Jain, DoB 29.07.1987 (at 4:00 AM), Education- B.Com., Job- Gyan Dairy, Lucknow, U.P., Salary- 80,000 per Month, Gotra :Self- Saketia, Mama- Gangelwal, Contact : 30-A, Gujaini, Kanpur-208022, Mob.: 9236093222, 9648247002 *(Sep.)*

★ **Nitesh Jain** S/o Sh. Virendra Kumar Jain, DoB 20.11.1993 (at Kherli), Height- 5'-5", Education- B.Tech, Occupation- Business (Computer Bite Technology Pvt.Ltd.), Gotra : Athversia, Contact : 66, Dr. Habib Marg, Gandhi Path, Vaishali Nagar, Jaipur, M.: 8824201815, Email : nitesh123@gmail.com *(Sep.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 27.08.1994 (at 9:30 PM), Height- 5'-7", Education- B.Com., MBA, Working in HDFC Bank Ltd. Agra, Salary- Rs. 20,000/- per Month, Gotra : Self- Bhadarwasia, Mama- Gindora Bux, Contact : 43/223, Near Jain Mandir, Jain Gali, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9897303171, Email : abhajain2018@gmail.com *(Sep.)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Jinesh Jain, DoB 01.05.1986 (at 11:30 PM, Rohtak), Height- 5'-8", Education- MBA (Retail Management), Working in Future Retail Ltd. as Warehouse Manager (SCM) at Sec. 18, Noida, CTC Rs. 6 LPA, Gotra : Self- Goel, Mama- Garg, Contact : Khasra No. 871, B Block, Gali No. 24, Phase 1, Road No. 6, Near Khatu Shyam Mandir, Shyam Vihar, New Delhi-110043, Mob.: 9210724883, 9268447220 *(Oct.)*

★ **Keshav Jain** S/o Sh. Tara Chand Jain, DoB 12.04.1992 (at Laxmangarh), Height- 5'-8", Education- M.Sc. (Environment Science), Working as Area Business Manager in Pharmaceutical Co., Gotra : Self- Choudhary, Mama- Baderiya, Contact : Jain Juice Centre, Indira Market, Laxmangarh (Alwar), Mob.: 9887299309, 8504999625, Email : keshavjain2@gmail.com *(Oct.)*

★ **Rohit Jain** S/o Late Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 28.05.1994 (at 11:50 pm, Laxmangarh Alwar), Height- 172 cm., Education- B.Tech., Job- Software Engineer, Jaipur, Gotra : Self- Chaudbambar, Mama- Dhati, Contact : Sh. Lokesh Kumar Jain (Tauji), Jain Petrol Pump, Laxmangarh, Dist. Alwar, Mob.: 9414812360, 6350160386, Email : rohit1994@gmail.com *(Oct.)*

★ **Nilesh Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain DoB 30.06.1985 (at1:22 pm, Ajmer), Height 5'-8", Education- M.Com, MBA, Occupation- Working as a State Head at Manba Finance Ltd. Co. Jaipur, Income 10.50 LPA, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Chorbambar, Contact : 11/40, Kaveri Path, Mansarover, Jaipur, Mob.: 9829818894, 9983444198 *(Oct.)*

★ **Kshitij Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 25.10.1989 (at 06:45 am, Delhi), Height 5'-11", Education- MCA, Working in an IT MNC, Noida, Salary- Rs. 11 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Januthariya, Contact : Flat No. 612, Tower C, Gaur Sports Wood, Sector 79, Noida, Mob.: 9871981382, 9650334767, Email : sjainchand@gmail.com *(Oct.)*

★ **Prateek Jain** S/o Sh. Mukesh Kumar Jain, DoB 29.08.1991 (at 6:30 pm, Bharatpur), Height- 5'-7", Education- B.Tech., Government Service- Baroda Rajasthan Khsetriya Gramin Bank, Kota, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Gindodia, Contact : Q.No. RE/Type-III/1141, Railway Colony, Kota Junction *(Oct.)*

★ **Prince Kumar Jain** (Anshik Manglik) S/o Sh. Yogesh Chand Jain, DoB 02.03.1989, Height 5'-8", Education- MBA, Working as Assistant Manager in AU Small Finance Bank, Package 4 LPA, Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Maimunda, Contact : C-326, Surya Nagar, Alwar, Mob.: 9414857271 *(Oct.)*

★ **Ankit Palliwal** S/o Sh. Nirmal Jain, DoB 06.11.1988, Height 5'-10", Education- M.Sc in applied Geographic Information System from National University of Singapore, M.Sc in Economics from Indian Institute of Technology Kanpur, Occupation- Manager, Central Office Union Bank of India, Mumbai, Gotra : Self- Ledoriya, Mama- Kotiya, Contact :105/ 119, Vijay Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 8696924329, 9532033922, Email : jain.kr.nirmal@gmail.com *(Oct.)*

★ **Rohit Kumar Jain** S/o Sh. Gyanchand Jain, DoB 28.11.1994 (at 7:00 am, Bharatpur), Height 5'-7", Education- B.Tech (E.C.E), Working as Application Development Analyst in Accenture, Pune, Income 6 LPA, Gotra : Self- Khair, Mama- Salawadia, Contat : 9460737358, 7976360536, 9896009921, Email : rohitsonu33@gmail.com *(Oct.)*

★ **Shubham Jain** (Manglik) S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 22.07.1993 (at 8:58 am, Bharatpur), Height 5'-8", Education- B.Tech (Electrical and Electronic Engineering from NIT Trichy), Occupation- Senior Data Scientist in Course5 Intelligence at Bangalore, Income 19 LPA, Gotra : Self- Kashmeriya, Mama- Baderiya, Conatct : 6-L-3, Mahaveer Nagar Extension, Kota- 324009, Mob.: 9414677093, 9785018193, Email : jainshubh2207@gmail.com *(Oct.)*

★ **Karan Jain** S/o Sh. Tilak Jain, DoB 24.01.1994 (at 7:58 pm, Alwar), B.Com., Post Graduation in Banking & Finance, Job-Relationship Manager in ICICI Bank, Alwar, Income 5.6 LPA, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Kaloniya, Contact : 316, Arya Nagar, Alwar, Mob.: 9414367669, 7726884348 *(Oct.)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Diwan Kapoor Chand Jain, DoB 09.05.1988 (at 01:10 pm, Alwar), Height 5'-6", Education- B.Tech (ECE) from NIT Jaipur, Gold

Medlist, Presently Working as Sr. Lead UI/UX Associate at Noida, Package- 32.5 LPA (Fixed Component), Gotra : Self- Amiya, Mama- Chaudhary, Contact : Diwan ji ki Haweli, Baderia Padi, In front of Saint Niwas, Alwar, Mob.: 9529220424, 7303079218, 9783565383, Email : manish9may@gmail.com *(Oct.)*

★ **Agam Jain** S/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 15.03.1992 (at 6:15 PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Sc. (University of Delhi), MS(IT) (VIT, Vellore), Occupation- Software Engineer in Salesforce (Hyderabad), Salary- 20+ LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Salawadia, Contact : Faridabad, Haryana, Mob.: 9911499282 *(Oct.)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Kailash Kumar Jain, DoB 02.01.1992, Height- 5'-9", Education- B.Com. (H) from Delhi University, Profession- Finance Associate in Genpact (MNC), Income- 4 LPA, Gotra : Vairashtak, Contact : Flat No. 325, Paradise Apartment, Plot No.1, Sector-9, Dwarka, New Delhi-110077, Mob.: 9910889353 , Email : jain36317 *(Oct.)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 05.04.1993 (at 2:20 am,Aligarh), Height- 5'-9", Education- B.Tech. (Electronics & Telecomminucation), Occupation- Consultant at Capgemini India Pvt. Ltd., Bangalore, Package- 11 LPA, Gotra : Self- Saketia, Mama- Kathotia, Cotact : B-4, First Floor, Arihant Apartment, Khirni Gate, Police Chowki, Near Jain Mandir, Aligarh., Mob.: 9411466838, 8433217092, Email : 05siddharthjain @gmail.com *(Oct.)*

★ **Abhay Jain** (Manglik) S/o Sh. Prakash Chandra Jain, DoB 20.11.1993 (at 7:25 am), Height- 5'-11", Education- B.Tech (Electronics & Communication) (Hons.), Working in KPMG, Bangalore as Data Scientist, CTC 9 Lakhs, Gotra : Self- Chorbhamar, Mama- Behtariya, Contact : Meera Kunj, Mandawara Road, Jain Colony, Hindaun City, Mob.: 9024320476, 9667810819 *(Oct.)*

★ **Jitendra Jain** S/o Late Sh. Mahesh Chandra Jain, DoB 02.10.1989 (at 09:20 am), Height- 5'-6", Education- BCA, MCA, B.Ed., Job- Software Developer (Working in Noida), Salary- 40,000 p.m., Gotra : Chorambaar, Mama- Rajoriya, Contact : 56, Ram Jeet Nagar, Albatiya Road, Shahganj, Agra, Mob.: 9719036463, 9458815424 *(Oct.)*

★ **Rohit Kumar Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 27.02.1990 (at 6:45 am, Agra), Height- 5'-4", Education- Dip. in G.N.M. JWB, District Hospital at Agra, Gotra : Self- Salabadiya, Mama- Chorbambar, Contact : 51/213-A, Dashrath Kunj, Arjun Nagar, Agra-282001, Mob.: 9410204255, 9457386486 *(Oct.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Roop Chand Jain, DoB 05.05.1993 (at 8:15 am, Agra), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- MBA, M.Com, Occupation- Deputy Sales Manager (Tata Capital Financial Services Ltd., Agra), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Khair, Contact : 5E/18, Ashok Vihar, 100 Feet Road, Sahaganj, Mob.: 9358685310, Email : rjain7137@gmail.com *(Oct.)*

* * * * *

पैरामेडिकल क्षेत्र में संभावनाएं

चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में पैरामेडिक्स को प्री–हॉस्पिटल एमरजेंसी सर्विसेज के रूप में जाना जाता है। पैरामेडिक इमरजेंसी मेडिकल केयर प्रोवाइडर के रूप में काम करता है। जिसमें प्राथमिक चिकित्सा और ट्रोमा सेवायें आती हैं। जैसे– फिजियोथैरेपी, लैब टेक्नोलॉजी, रेडियोग्राफी, ऑप्टोमेट्री, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी इत्यादि।

कम्युनिकेशन स्किल्स, टीम वर्क, दबाव झेलने और मेहनत जैसे गुण इस प्रोफेशन के लिए बहुत जरूरी है। अधिकांश काम मेडिकल उपकरणों के सहारे होता है। इसलिए उनका ज्ञान बहुत जरूरी है। पेरामेडिकल प्रोफेशनल का काम उपचार के दौरान मेडिकल टीम को सपोर्ट करना है।

योग्यता– पैरामेडिकल में ज्यादातर कोर्सों के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायलौजी व इंगलिश सहित 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होना चाहिए तथा मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन के लिए बायलोजी सहित स्नातक (ग्रेजुएट) होना जरूरी है।

प्रमुख संस्थान– ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस (एम्स), नई दिल्ली, www.aiims.edu

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट फिजिकल मेडिसिन एंड रिहेबिलेशन, मुंबई, www.aiipmr.gov.in

हिप्पोक्रेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ पेरामंडिकल साईंसेज एंड रिसर्च, नोएडा, www.hipst.in

संभावनाएं– पैरामेडिकल से संबंधित कोर्स करने के बाद प्रोफेशनल्स को सरकारी व प्राइवेट हॉस्पिटल, इमरजेन्सी सेन्टर, ब्लड डोनेशन सेंटर, डायग्नोसिस सेंटर, फूड इंडस्ट्रीज, फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज, मेडिसिन लेब, मेडिकल बुक पब्लिशर्स, प्राइवेट डॉक्टर के ऑफिस व क्लीनिक, नर्सिंग होम्स आदि में नौकरी मिलती है। प्राइवेट काम भी कर सकते हैं। विदेशों में भी रोजगार के अवसर मिलते हैं। कोर्स के लिए सरकारी बैंक शिक्षा ऋण भी प्रदान करती हैं।

–आर.सी. जैन (सेनि. केनरा बैंक मैनेजर)
एम–10, महर्षिपुरम, अमर उजाला के पीछे, सिकंदरा आगरा

धर्म क्या है ?

सुखमय जीवन जीते हो।
या दुःखमय जीवन बीत रहा है।
धर्म एक ही शरण जगत में
आगम का एक गीत रहा।
सुखमय जीवन यदि जीते हो
धर्म उसे और पुण्य करें।
दुःखमय जीवन यदि जीते हो।
धर्म उसे झट नष्ट करें।

यह समझना परम आवश्यक है कि धर्म क्या है? आज विश्व में अनेक धर्म प्रचलित हैं। सामान्य जनसाधारण के लिए धर्म का सही स्वरूप समझना बहुत कठिन है। भव्य जीवों को 'मोक्षरूपी' महल पर चढ़ने के लिए धर्म सीढ़ी की तरह है। धर्म का वास्तविक अर्थ जो धारण किया जाता है वह धर्म है। धारण क्या किया जाए? धर्म। मनुष्य की यह भावना है, वह विधि व्यवस्था है जो उसके संपूर्ण जीवन को उन्नत बनाती है।

जीवन के सभी मूल्य, धर्म पर आधारित है, धर्म व्याख्या की वस्तु नहीं, भाषा परिभाषा की वस्तु नहीं, धर्म का अनुभव गम्य है। धर्म श्रद्धा के गर्भ से उत्पन्न होता है। मोह, मोक्ष से रहित आत्मा की अवस्था का नाम धर्म है। धर्म का जीवन का सहारा है तन का सहारा नहीं।

आज भौतिकवाद की दुनिया में हर आदमी अपने जीवन का सहारा ढूंढ रहा है। सभी लोग भ्रम में हैं लोग तन के सहारे को ही जीवन का सहारा समझ लेते हैं और जब जीवन का सहारा ही नहीं बनता तो रोते हैं। इसका एकमात्र कारण धर्म के संस्कारों की कमी है। इसलिए हमें यह समझना जरूरी है आखिर धर्म क्यों, कैसे धर्म निवृत्ति स्वरूप है। राग द्वेष से परे है। केवल जानने या बोलने की चीज नहीं है। वस्तुतः यह जीवन साधना की वस्तु है। धर्म किसी संप्रदाय विशेष की संपत्ति नहीं है। वस्तुतः धर्म वही हो सकता है जिसे संसार का प्रत्येक प्राणी धारण कर सके।

हमारे भारतवर्ष में अनेक संप्रदाय जैसे– जैन, बौद्ध, वैष्णव, मुसलमान, ईसाई, सिख, पारसी आदि मौजूद है और हर एक मतानुयायी अपनी श्रद्धा के अनुकूल कोई ना कोई कार्य धर्म के नाम पर जरूर किया करता है। ऐसा धर्म ही सच्चा धर्म कहला सकेगा और उसी धर्म की हमको परम आवश्यकता है। संसार शांति चाहता है और धर्म अगर शांति नहीं दे सकता है तो फिर शांति कैसे मिलेगी। अतः धर्म की खोज ही शांति का मार्ग है।

मिथ्या भाव अभावतै, जो प्रकटे निज भाव।
सो जयवंत रही सदा, यह ही मोक्ष उपाव॥

अर्थ है मिथ्यात्व रूपी भावों के नाश होने पर जो आत्मा के स्वयं निज भाव प्रकट होते हैं वे सदा जयवंत होवें उनकी भावों को मेरा नमस्कार होवे। क्योंकि ये भाव उत्कृष्ट सुख के कारण हैं।

धर्म एक ऐसी वस्तु है जिसको सभी समाज, सभी मनुष्य, सभी धर्मावलंबी सर्वोत्कृष्ट वस्तु मानते हैं। सभी यह भी मानते हैं कि धर्म धारण करने से सुख की प्राप्ति होती है। जैसे– धर्म धारण करने से मुसलमान वहिस्त में पहुंच जाता है, वैष्णव बैकुंठ वासी, जैन मोक्ष में पहुंच जाता है। सभी संप्रदायों के शास्त्र इस की बात का उपदेश देते हैं, संसार की अच्छी से अच्छी वस्तु को छोड़कर धर्म धारण करो। धर्म से अच्छी संसार में कोई उत्तम वस्तु नहीं है। धर्म धारण करने से यह जीव स्वयं परमात्मा बन जाता है इसलिए यह तो बात निर्विवाद सिद्ध है कि धर्म सर्वोत्कृष्ट वस्तु है। अब यह जानना है कि धर्म क्या है? लेकिन जब धर्म की खोज करते हैं तो धर्म की अनेक व्याख्यायें मिलती हैं और सभी आपस में भिन्न–भिन्न हैं। सभी संप्रदाय अपने अपने धर्म को सच्चा बताते हैं। जैन अरहंत की भक्ति पूजन आदि को ही धर्म कहते हैं। वैष्णव राम, सीता, शिव, पार्वती, कृष्ण जी के पूजन को धर्म कहते हैं।

ईसाई ईसा को तथा मुसलमान खुदा को याद करने में ही धर्म मानते हैं। इनमें किसको सच्चा माना जाए और किसको नहीं? यानी प्रत्येक संप्रदाय तथा संसार का प्रत्येक वाणी निर्विवाद पूर्वक जिस धर्म को ग्रहण कर सके वही धर्म सच्चा धर्म है, विश्व धर्म, प्राणीमात्र का धर्म कहलाने का गौरव प्राप्त कर सकता है।

इन सब धर्मों के ऊपर भी कोई ऐसा धर्म है जो सब संप्रदायों को तथा प्राणीमात्र के लिए मान्य होगा। अतः धर्म ऐसा होना चाहिए, जो सब जीवों को अपने–अपने संप्रदाय में रहते हुए भी पालन किए जाने पर सर्वोत्कृष्ट सुख को प्राप्त करा सकता है।

अब हमको उसी धर्म की खोज करनी है उस धर्म का स्वरूप जाना है।

–श्रीमती डॉ. कविता जैन
महालक्ष्मी पुरम, कोटा

कहानी

धर्म : सबसे समर्थ सच्चा साथी

एक छोटे से गाँव में श्रीधर नाम का एक व्यक्ति रहता था, स्वभाव से थोड़ा कमजोर और डरपोक किस्म का इंसान था।

एक बार वो एक महात्माजी के दरबार में गया और उन्हें अपनी कमजोरी बताई और उनसे प्रार्थना करने लगा कि– हे देव! मुझे कोई ऐसा साथी मिल जाये जो सबसे शक्तिशाली हो और विश्वासपात्र भी जिस पर मैं आंखे बंद करके विश्वास कर सकूं। जिससे मैं मित्रता करके अपनी कमजोरी को दूर कर सकूं। हे देव, भले ही एक ही साथी मिले पर ऐसा मिले की वो मेरा साथ कभी न छोड़े। तो महात्मा जी ने कहा– पूर्व दिशा में जाना और तब तक चलते रहना जब तक तुम्हारी तलाश पूरी न हो जाये। और हां तुम्हें ऐसा साथी अवश्य मिलेगा जो तुम्हारा साथ कभी नहीं छोड़ेगा बशर्ते की तुम उसका साथ न छोड़ो।

श्रीधर– बस एक बार वो मुझे मिल जाये तो फिर मैं उसका साथ कभी न छोडूंगा पर हे देव! मेरी तलाश तो पुरी होगी ना ?

महात्माजी– वत्स, यदि तुम सच्चे दिल से उसे पाना चाहते हो तो वो बहुत सुलभता से तुम्हें मिल जायेगा, नहीं तो वो बहुत दुर्लभ है।

फिर उसने महात्माजी को प्रणाम किया आशीर्वाद लिया और चल पड़ा अपनी राह पर।

सबसे पहले उसे एक इंसान मिला जो शक्तिशाली घोड़े को काबू में कर रहा था तो उसने सोचा यही है वो, जैसे ही उसके पास जाने लगा तो उस इंसान ने एक सैनिक को प्रणाम किया और घोड़ा देकर चला गया। श्रीधर ने फिर सोचा, सैनिक ही है वो, तो वो मित्रता के लिये आगे बढ़ा पर इतने में सैनापति आ गया, सैनिक ने प्रणाम किया और घोड़ा आगे किया। सैनापति घोड़ा लेकर चला गया, श्रीधर भी खूब दौड़ा और अन्ततः वो सैनापति तक पहुंचा पर सैनापति ने राजाजी को प्रणाम किया और घोड़ा देकर चला गया तो श्रीधर ने राजा को मित्रता के लिये चुना और उसने मित्रता करनी चाही पर राजा घोड़े पर बैठकर शिकार के लिये वन को निकले श्रीधर भी भागा और घनघोर जंगल में श्रीधर पहुंचा पर राजा कहीं न दिखे।

प्यास से उसका गला सूख रहा था, थोड़ी दूर गया तो एक नदी बह रही थी, वो पानी पीकर आया और एक वृक्ष की छांव में गया तो वहां एक राहगीर जमीन पे सोया था और उसके मुख से राम–राम की ध्वनि सुनाई दे रही थी और एक काला नाग उस राहगीर के चारों तरफ चक्कर लगा रहा था। श्रीधर ने बहुत देर तक उस दृश्य को देखा और फिर वृक्ष की एक डाल टूटकर नीचे गिरी तो सांप वहां से चला गया और इतने में उस राहगीर की नींद टूट गई और वो उठा और राम–राम का सुमिरन करते हुये अपनी राह पे चला गया।

श्रीधर पुनः महात्माजी के आश्रम पहुंचा और सारा किस्सा कह सुनाया और उनसे पूछा, हे नाथ! मुझे तो बस इतना बताओ की वो काला नाग उस राहगीर के चारों ओर चक्कर काट रहा था पर वो उस राहगीर को डस क्यों नही पा रहा था। लगता है कि देव की कोई अदृश्य सत्ता उसकी रक्षा कर रही थी। महात्माजी ने कहा उसका सबसे सच्चा साथी ही उसकी रक्षा कर रहा था जो उसके साथ था तो श्रीधर ने कहा वहां तो कोई भी न था, बस संयोगवश हवा चली वृक्ष से एक डाली टूटकर नाग के पास गिरी और नाग चला गया।

महात्माजी ने कहा– नहीं वत्स, उसका जो सबसे अहम साथी था वही उसकी रक्षा कर रहा था जो दिखाई तो नहीं दे रहा था पर हर पल उसे बचा रहा था और उस साथी का नाम है 'धर्म'। हे वत्स, धर्म से समर्थ और सच्चा साथी जगत में और कोई नहीं है केवल एक धर्म ही है जो सोने के बाद भी तुम्हारी रक्षा करता है और मरने के बाद भी तुम्हारा साथ देता है। हे वत्स, पाप का कोई रखवाला नहीं हो सकता और धर्म कभी असहाय नहीं है। महाभारत के युद्ध में भगवान श्री कृष्ण ने पांडवों का साथ सिर्फ इसलिये दिया था क्योंकि धर्म उनके पक्ष मे था।

हे वत्स! तुम भी केवल धर्म को ही अपना सच्चा साथी मानना और इसे मजबूत बनाना क्योंकि यदि धर्म तुम्हारे पक्ष में है तो स्वयं नारायण और सद्गुरु तुम्हारे साथ हैं। नहीं तो एक दिन तुम्हारे साथ कोई न होगा और कोई तुम्हारा साथ न देगा और यदि धर्म मजबूत है तो वो तुम्हें बचा लेगा इसलिये धर्म को मजबूत बनाओ।

हे वत्स! एक बात हमेशा याद रखना की इस संसार में समय बदलने पर अच्छे से अच्छे साथ छोड़कर चले जाते हैं, केवल एक धर्म ही है जो घनघोर बीहड़ और गहरे अन्धकार में भी तुम्हारा साथ नहीं छोड़ेगा कदाचित तुम्हारी परछाई भी तुम्हारा साथ छोड़ दे परन्तु धर्म तुम्हारा साथ कभी नही छोड़ेगा, बशर्ते की तुम उसका साथ न छोड़ो इसलिये धर्म को मजबूत बनाना क्योंकि केवल यही है हमारा सच्चा साथी।

संकलन : चन्द्रशेखर जैन

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION
TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED 100% GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015 CERTIFIED COMPANY)

Head Office and Unit-I
Alwar : 217A, 218 to 220 & 230A MIA,
Desula, Alwar-301030
Rajasthan, INDIA
Tel.: +91-144-2881210, 2881211
Email : kotsons@kotsons.com
Unit-II
Agra : C-21, U.P.S.I.D.C., Site-C,
Sikandra, Agra-282007,
U.P., INDIA
Tel.: +91-562-2641422, 264-1675
Email : kotsons@kotsons.com
Registered Office :
New Delhi : A-208 IInd Floor,
R.G. City Centre, Motia Khan,
Pahar Ganj, New Delhi-110055, INDIA
Tel.: +91-011-43537540
Email : kotsons@kotsons.com

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

OHSAS 45001 : 2018

TRANSFORMING ELECTRICITY
EMPOWERING WORLD

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl FORTUNE

3 BHK Boutique Apartments

Your perfect home is now at a landmark address.

Disclaimer:- The image shown in indicative only and the actual view may differ from the one shown here.

16 Smart Home | 3 BHK | Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | **3600** Villas + Plots | More than **500** Apartments | **22** 'Pearl' Tower | **6** Townships

PRINTED MATTER
If Undelievered, please return to
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क,
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी - अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।